नई दिल्ली
शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025
पौष मास शुक्ल पक्ष, षष्ठी वर्ष : 29, अंक : 253
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 21
न्यून. 09

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 भारत-श्रीलंका के बीच तीसरा टी20 आज भारत की नजरें सीरीज जीतने पर

प्रधानमंत्री ने विपक्ष को लिया आड़े हाथ

सपा-कांग्रेस ने आंबेडकर समेत कई विभूतियों का अपमान किया, हमने हर विचारधारा के नेताओं को दिया 'मान'

हमारी सरकार ने कांग्रेस नेता रहे और पूर्व राष्ट्रपति मुखर्जी और मुलायम को भारत रत्न दिया

65	फीट ऊंची कांस्य प्रतिमाएं लगीं प्रेरणा स्थल में
65	एकड़ में फैला राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल
230	करोड़ की लागत से बनाया गया
03	महान विभूतियों को दिया स्थान
98	हजार वर्ग फीट में फैला अत्याधुनिक संग्रहालय

पीएम ने लखनऊ में भारत रत्न वाजपेयी की 101वीं जयंती पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का बटन दबाकर किया लोकार्पण

2 हजार बसों से 1.5 लाख लोगों का लगा जमघट

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती केअवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का बटन दबाकर लोकार्पण किया। पीएम ने कहा कि 25 दिसंबर का यह दिन देश की दो महान विभूतियों के जन्म का अद्भुत सुयोग लेकर भी आता हउन्होंने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय की विशाल कांस्य प्रतिमाओं का भी अनावरण किया।

हमारी सरकार ने कांग्रेस नेता रहे और पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को भारत रत्न देकर सम्मानित किया। मुलायम सिंह यादव को सम्मानित किया। हमने सभी को सम्मान दिया है। इस आयोजन में 2 लाख से अधिक लोगों के शामिल हुए। आयोजन में आसपास के कई जिलों से करीब 2000 बसें आईं। इन महापुरुषों ने भारत की अस्मिता, एकता और गौरव की रक्षा की और राष्ट्र निर्माण में अपनी अमिट छाप छोड़ी। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एक देश में 2 संविधान नहीं चलेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि देश में दो विधान दो संविधान नहीं चलेंगे। मुझे खुशी है कि भाजपा सरकार को जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का सौभाग्य मिला और डॉ. मुखर्जी का सपना साकार हुआ। इसे कांग्रेस समेत सारा विपक्ष अपना हथियार मानता था। हमारी सरकार ने एक देश एक संविधान के सपने को साकार किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को हराया

पीएम मोदी ने जनसंघ नेता दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एकात्म मानववाद का सिद्धांत दिया। आज देश के करोड़ों नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यही तो सच्चा सेकुलरिज्म है। देश के हर नागरिक को सम्मान मिल रहा है। बीते एक दशक में करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को हराया है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय

अटल जी ने सुशासन को सही मायने में जमीन पर उतारा

पीएम मोदी ने कहा कि अटल जी ने सही मायने में सुशासन को जमीन पर उतारा। अटल जी की सरकार में ही गांव-गांव तक सड़कें पहुंचाने का काम शुरू हुआ था। देश के गांवों में 8 लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ। अटलजी ने अपना संपूर्ण जीवन सुशासन और राष्ट्र निर्माण को समर्पित कर दिया और उनका व्यक्तित्व, कृतित्व व नेतृत्व देश के चहुंमुखी विकास के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बना रहेगा। वे प्रखर वक्ता होने के साथ-साथ ओजस्वी कवि के रूप में भी सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनका व्यक्तित्व, कृतित्व और नेतृत्व देश के चहुंमुखी विकास के लिए पथ-प्रदर्शक बना रहेगा।

अटल बिहारी वाजपेयी

'हर्बल टी' के नाम पर 'चाय' शब्द के इस्तेमाल पर लगाई सख्त रोक

नई दिल्ली। सुबह की पहली चुस्की से लेकर दफ्तर की थकान मिटाने वाली शाम की प्याली तक, चाय हर भारतीय घर का अभिन्न हिस्सा है। अब तक जिस चाय को आप 'हर्बल टी', ' फ्लॉवर टी' या 'नेचुरल टी' समझकर पी रहे हैं, अब वह चाय नहीं मानी जाएगी। देश के शीर्ष फूड रेगुलेटर एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) ने इस संबंध में एक ऐतिहासिक और सख्त आदेश जारी किया है। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में केवल वही उत्पाद 'चाय' के नाम से बेचे जा सकेंगे, जो 'कमेल्लीअ सिनेसिस' पौधे की पत्तियों से बने हों। इसके अलावा किसी भी अन्य पौधे, फूल, जड़ी-बूटी, फल या पत्तियों से तैयार किए गए पेय को 'चाय' कहना न केवल गलत और भ्रामक है, बल्कि अब यह एक कानूनी अपराध भी माना जाएगा। 24 दिसंबर को जारी स्पष्टीकरण में रेगुलेटर ने कहा कि हर्बल या फ्लॉवर अर्क से बने उत्पादों को चाय कहना उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी है।

नीति बदलने के पीछे सेना का तर्क, सोशल मीडिया कंटेंट की निगरानी के साथ जवानों, अधिकारियों में बढ़ेगी जागरूकता

फर्जी और भ्रामक सूचनाओं की पहचान करने में भी होगी आसानी

अब सैन्यकर्मी कर सकेंगे इंस्टाग्राम का इस्तेमाल, सेना ने बदली नीति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना ने अपनी सोशल मीडिया नीति में एक अहम बदलाव करते हुए अब सैन्यकर्मियों को इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी है। जिसके पीछे उसका कहना है कि जनसंचार के इस प्रसिद्ध माध्यम के जरिए वह न केवल इस पर आने वाले तमाम सूचना सामग्री यानी कंटेंट पर निगरानी रख सकेंगे।

बल्कि अपनी जागरूकता को बढ़ाते हुए जरूरी जानकारियों को एकत्रित भी कर सकेंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा सेना को ये होगा कि उसके कर्मी फर्जी और भ्रामक सामग्री की आसानी से पहचान कर सकेंगे। सूत्रों ने बताया कि सेना ने इस संबंध में जरूरी दिशानिर्देशों को अपनी सभी यूनिटों, विभागों और प्रतिष्ठानों के साथ साझा कर दिया है। सेना की तरफ से हालांकि अपने किसी भी जवान या अधिकारी को इंस्टाग्राम पर की गई किसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया के रूप में कोई जवाब देने, टिप्पणी करने या लाइक करने की अनुमति नहीं दी गई है। जबकि साधारण यूजर्स ऐसा कर सकते हैं। समय-समय पर सेना सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर दिशानिर्देश जारी करती रहती है। लेकिन पूर्व में सुरक्षा कारणों के चलते उक्त माध्यम के साथ-साथ यूट्यूब और एक्स के इस्तेमाल पर भी समान रूप से ही पाबंदियां लागू थीं।

सेना ने दिया निष्क्रिय भागीदारी का नाम

सूत्रों ने कहा कि भारतीय सेना ने अपनी इस गतिविधि को निष्क्रिय या सीमित भागीदारी का नाम दिया है। जिसमें सैन्यकर्मी अपने वास्तविक नाम से इतर इंस्टाग्राम पर अपना खाता बनाकर केवल वहां प्रचारित-प्रसारित होने वाले कंटेंट को बतौर दर्शक के रूप में दे सकेंगे। उस पर उन्हें किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया करने का अधिकार नहीं होगा। उन्होंने बताया कि सैन्यकर्मी इंस्टाग्राम पर किसी भी जानकारी (भ्रामक) को देखने के बाद उसे तुरंत अपने वरिष्ठों के साथ साझा करेंगे। आकार में करीब 14 लाख के भारी संख्याबल वाली सेना अपने इस कदम के जरिए मौजूदा समय में युद्ध के एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यानी डिजिटल रूप से लड़े जाने वाले सूचना युद्ध के दौर में अपनी आंतरिक स्थिति को मजबूत बनाना चाहती है।

हमें 'रिएक्ट' नहीं 'रिस्पांड' करना है: सेनाप्रमुख

गौरतलब है कि सेना में सोशल मीडिया इस्तेमाल के मामले पर जब कभी चर्चा होती है। तो बीते वक्त में इनसे जुड़े माध्यमों के जरिए सैन्य कर्मियों के दुश्मन के बिछाए जाल, हनी ट्रैप में फंसकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा करने के मामले सामने आ चुके हैं। जिसे लेकर चिंतित सेना समय-समय में दिशानिर्देश जारी करती रहती है। पिछले महीने राष्ट्रीय राजधानी में हुए चाणक्य रक्षा संवाद-2025 के दौरान सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था कि मैं अपने सैनिकों के स्मार्टफोन इस्तेमाल करने के खिलाफ नहीं हूं। लेकिन मेरा मानना है कि हमारी सोच किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर रिएक्ट नहीं बल्कि सोच-समझकर रिस्पांड करने की होनी चाहिए। मौजूदा दौर में जब जेन-जेड की बातें हो रही हैं, तो ये मुद्दा अति संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण हो जाता है। क्योंकि दूसरे शब्दों में देखें तो स्मार्टफोन के बिना हमारा काम नहीं चल सकता है। ये एक अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। सेना में लोग ज्यादातर अपने घर परिवार से दूर सुदूर सीमावर्ती व अन्य इलाकों में तैनात रहते हैं। ऐसे में फोन का ही एक माध्यम या सहारा बचता है, जिससे वो लगातार अपने परिजनों के संपर्क में बने रह सकते हैं और उनकी तमाम जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। एनडीए को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब अकादमी में युवा कैडेट आते हैं, तो सबसे पहले वो अपने कमरों में छिपे हुए फोन को तलाशते हैं। उन्हें इस बात को समझने में करीब छह महीने लग जाते हैं कि फोन के बिना भी जीवन संभव है।

2019 के बाद बदले हालात

सेना में 2019 तक किसी भी सैन्यकर्मी को किसी सोशल मीडिया ग्रुप में शामिल होने की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसके बाद सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल के मामले बढ़े। सेना हरकत में आई और उसने 2020 में सोशल मीडिया से जुड़े अपने नियमों को कड़ा कर दिया। जिसका परिणाम ये था कि सैन्यकर्मियों को फेसबुक, इंस्टाग्राम समेत कुल करीब 89 सोशल मीडिया ऐप्स को डिलीट करने का आदेश दिया गया था। वर्तमान में एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, टेलिग्राम, व्हाटसऐप और लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने की इजाजत तो सैन्यकर्मियों को दी गई है। लेकिन पर्दे के पीछे से बल की चौबीसों घंटे चलने वाली सख्त निगरानी भी होती रहेगी।

ग्वालियर के मेला मैदान में आयोजित 'अभ्युदय मप्र ग्रोथ समिट' में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा

मप्र में निवेश फायदे का सौदा, कुछ राशि लगाएं और करोड़ों रुपए कमाएं

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मप्र सरकार ने अभिनव पहल की है। प्रदेश के क्षेत्रीय विकास और आर्थिक संतुलन में उद्योग एवं निवेश एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। यहां निवेश करना फायदे का सौदा है।

उन्होंने युवाओं और निवेशकों से अपील करते हुए कहा कि मप्र इतना अधिक उपजाऊ है कि यहां कुछ रुपया निवेश करके करोड़ों कमाए जा सकते हैं। इसलिए, यहां बेहिचक मध्यप्रदेश में अपने उद्यम और उद्योग लगाएं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस राज्य को बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर लेकर आए। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शाह गुरुवार को भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जन्म जयंती के विशेष अवसर पर ग्वालियर के मेला मैदान में आयोजित 'अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ ▶▶ शेष पेज 5 पर

मप्र आज अग्रणी राज्यों की पंक्ति में खड़ा

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा है कि मध्यप्रदेश अब देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य बन गया है। मध्यप्रदेश ने अपनी नई सोच, उद्यमशीलता, प्रगतिशील दृष्टिकोण और नवाचारों के माध्यम से विकास के ऐसे मानक स्थापित किए हैं, जिनका अनुसरण अब अन्य राज्य भी कर रहे हैं। शाह ने कहा कि भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और निःसंदेह यह तय है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि में मध्यप्रदेश का योगदान सबसे बड़ा होगा। उन्होंने कहा कि यहां निवेश के लिए अनुकूल वातावरण, स्पष्ट नीतियां और मजबूत इच्छाशक्ति दिखाई देती है। इन्हीं सभी प्लस फैक्टर्स से ही मध्यप्रदेश ने इस साल देश में बड़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इस मामले में मध्यप्रदेश ने देश में तीसरा स्थान हासिल किया है।

इसी सप्ताह अरिघात पनडुब्बी से किया गया यह परीक्षण

सीमा पर तनाव के बीच नौसेना ने परमाणु पनडुब्बी से दागी 'के-4' मिसाइल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वर्तमान में पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी सीमाओं पर बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच भारतीय नौसेना ने अपनी जबरदस्त समुद्री शक्ति का प्रदर्शन करते हुए परमाणु चालित पनडुब्बी 'आईएनएस अरिघात' से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'के-4' का बंगाल की खाड़ी में परीक्षण किया है। ये मिसाइल अपने साथ एक बार में ▶▶ शेष पेज 5 पर

पिछले साल कमीशन हुई अरिघात

अरिघात पनडुब्बी नौसेना के जंगी बेड़े में पिछले साल अगस्त 2024 में शामिल हुई थी। यह देश की दूसरी परमाणु चालित पनडुब्बी है। पहली आईएनएस अरिहंत है, जो वर्ष 2016 में कमीशन हुई और 2018 में ये पूरी तरह ऑपरेशनल हो गई थी। इस पर महज 750 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम के-15 सागरिका मिसाइल लगी हुई है। परमाणु चालित पनडुब्बियां नौसेना में ▶▶ शेष पेज 5 पर

प्रसन्नता जताते हुए बोले जयशंकर, हीरे के व्यापार के वैश्विक शासन में सुधार-आम सहमति से हुई भारत की भूमिका की पुष्टि

यूएन समर्थित किम्बर्ली प्रक्रिया का अध्यक्ष चुना गया भारत, नए साल से शुरू होगा कार्यकाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत को 1 जनवरी 2026 से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) समर्थित किम्बर्ली प्रक्रिया की अध्यक्षता करने के लिए चुना गया है। यह तीसरी बार होगा जब भारत को वैश्विक मंच से जुड़ी हुई यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। किम्बर्ली एक त्रिपक्षीय पहल है, जिसमें सरकारें, अंतरराष्ट्रीय हीरा उद्योग ▶▶ शेष पेज 5 पर

सभी पक्षों संग मिलकर काम करेगा भारत

मंत्रालय ने बताया कि भारत किम्बर्ली प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करने, नियम आधारित अनुपालन सुनिश्चित करने और इससे संबंधित मूल उद्देश्यों, विकसित हो रही वैश्विक अपेक्षाओं के हिसाब से विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए सभी प्रतिभागियों, पर्यवेक्षकों के साथ मिलकर काम करेगा। इसके अलावा उसकी कोशिश इस प्रक्रिया को अधिक समावेशी और प्रभावी बहुपक्षीय ढांचा बनाने की दिशा में भी काम करने की होगी।

अमेरिका से ट्रेड डील पर बनेगी बात!

ट्रंप के खास सर्गियो से मिले क्वात्रा, व्यापार पर की चर्चा

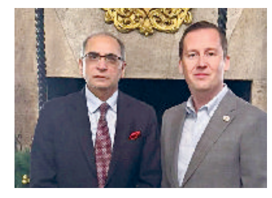

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका ने आर्थिक संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। वॉशिंगटन में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सर्जियो गोर के साथ मुलाकात और बात की है। इसमें व्यापार संबंधों के साथ ही नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया। विनय मोहन क्वात्रा और सर्जियो गोर के बीच यह बैठक ▶▶ शेष पेज 5 पर

रिश्तों में सुधार की कोशिश

क्वात्रा ने कहा कि बातचीत में इंडिया-अमेरिका पार्टनरशिप के भविष्य की दिशा पर भी बात हुई। वहीं, वहीं, सर्जियो गोर ने भी एक्स पर अलग पोस्ट में इस मुलाकात को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि यह मार-ए-लागो में क्वात्रा की पहली यात्रा थी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से मिलना हमेशा सुखद होता है। उन्होंने क्रिसमस और नव वर्ष की शुभकामनाएं भी दीं। भारत और अमेरिका के बीच एक बड़े व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की तैयारी है। भारत चाहता ▶▶ शेष पेज 5 पर

वाहन से करतब करने जैसी गतिविधियों में शामिल वाहनों को तुरंत किया जाएगा जब्त

दिल्ली में नववर्ष के मद्देनजर सुरक्षा कड़ी, 20 हजार पुलिसकर्मी तैनात

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नए साल के जश्न के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी है और लगभग 20,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश से सटी दिल्ली की सीमाओं और राजस्थान से सटे क्षेत्रों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है, क्योंकि इन मौकों पर पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में लोगों के दिल्ली आने की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि उपद्रव

रोकने, जन सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस और अर्धसैनिक बलों सहित लगभग 20,000 पुलिसकर्मी राष्ट्रीय राजधानी में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि उपद्रव और गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर अतिरिक्त चौकियां बनाई गई हैं, अवरोधक लगाए गए हैं और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। पुलिस ने बताया कि दिल्ली में प्रवेश के 15 प्रमुख रास्तों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, जहां पड़ोसी राज्यों से वाहनों के आने की संभावना है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यातायात पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने, तेज गति और मोटरसाइकिल से खतरनाक करतब करने पर नियंत्रण के लिए विस्तृत योजना बनाई है।

उन्होंने बताया कि देर शाम और रात के समय यातायात कर्मियों की मदद के लिए स्थानीय थाने से अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। अधिकारी ने कहा कि सभी थाना प्रभारियों को नववर्ष के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी टीम के साथ इलाके में गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। वाहन से करतब करने जैसी गतिविधियों में शामिल वाहनों को तुरंत जब्त किया जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस टीम बस अड्डों, रेलवे स्टेशन, होटल, धर्मशालाओं और रात्रि आश्रयों पर भी जांच कर रही हैं ताकि वहां रहने वालों की पहचान की जा सके और अवैध रूप से रह रहे लोगों को चिह्नित किया जा सके। दिल्ली यातायात पुलिस ने बताया कि उनका मुख्य ध्यान कनॉट प्लेस, हौज खास, प्रमुख बाजारों और मॉल जैसे अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहन के सुचारू आवागमन और भीड़ प्रबंधन पर रहेगा।

पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने बताया कि शाहदरा जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस और यातायात व्यवस्था की गई है। लगभग 400 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे और लगभग 80 वाहन लगातार गश्त करेंगे। उन्होंने बताया कि स्थायी चौकियों के अलावा चौबीसों घंटे जांच के लिए 77 अतिरिक्त चौकियां भी स्थापित की गई हैं।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो वांछित अपराधी घायल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

बाहरी उत्तरी जिले के नरेला इलाके में बुधवार देर रात पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो वांछित अपराधी घायल हो गए। घायलों के नाम नरेला निवासी अफजल उर्फ इमरान (34) और चंदन उर्फ काकू (31) बताये गये हैं। एक आरोपी हत्या के प्रयास केस में भी वांछित था।

पुलिस के अनुसार पुख्ता जानकारी मिली थी कि हत्या के प्रयास के एक मामले में वांछित चंदन अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल पर हथियार लेकर इलाके में घूम रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया और एनआईटी, नरेला के पास ट्रैप लगाया। जांच के दौरान जब पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा किया, तो उन्होंने भागने की कोशिश की और पुलिस कर्मियों पर तीन गोलियां चलाई। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई और आत्मरक्षा में गोलियां चलाई, जिनमें से दो गोलियां आरोपियों के पैरों में लगी। दोनों को पहले राजा हरिश्चंद्र अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए डॉ बाबा साहेब आंबेडकर (बीएसए) अस्पताल के लिये रेफर किया गया। मौके से दो पिस्तौल, पांच खोखे, दो मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल जब्त की गई। पुलिस के अनुसार चंदन नरेला थाने का एक घोषित अपराधी है। वह हत्या के प्रयास, लूट और चोरी जैसे कई मामलों में लिप्त रहा है। वहीं अफजल भी इलाके का एक घोषित अपराधी है, जिसके खिलाफ सरकारी कर्मचारी पर हमला, लूटपाट, शस्त्र अधिनियम और पोक्सो के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं।

चोरी के आरोप में महिला समेत तीन अरेस्ट, 21 लाख की ज्वैलरी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके में एक बुजुर्ग के घर में हुई चोरी के सिलसिले में पुलिस ने एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से करीब 21 लाख रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण बरामद किए गए हैं। आरोपियों के नाम जहांगीरपुरी निवासी शिवम सोनकर उर्फ सिबू (25) और आकाश शर्मा (32) बताये गये हैं। महिला पंजाब के अमृतसर की रहने वाली है।

पुलिस के अनुसार चोरी की यह घटना 31 अक्टूबर को साकेत स्थित एक फ्लैट में हुई थी, जब घर के मालिक बाहर थे। अज्ञात बदमाशों ने खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश किया और सोने व हीरे के आभूषण, कीमती कलाई घड़ियां, परफ्यूम और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गये, साथ ही तकनीकी डाटा का भी विश्लेषण किया गया। सीसीटीवी फुटेज में शिकायतकर्ता के घर के पास एक संदिग्ध देखा गया, जिसकी पहचान बाद में शिवम सोनकर उर्फ सिबू के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपी को पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान सिबू ने अपने साथी आकाश शर्मा की संलिप्तता का खुलासा किया, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में पता चला कि चोरी के गहनें अमृतसर में किराए के एक परिसर में छिपाकर रखे गए थे। छापेमारी कर चोरी के आभूषण, एक घड़ी और परफ्यूम बरामद किया गया। अमृतसर की एक फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखी गई सोने की चेन भी बरामद कर ली गई है।

जांच के दौरान चोरी का सामान प्राप्त करने के संदेह में आरोपियों की एक महिला रिश्तेदार को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, बरामद किए गए सोने के आभूषणों का कुल वजन लगभग 131.41 ग्राम है, जिसमें चूड़ियां, चेन, मंगलसूत्र, पेंडेंट और हीरे की बालियां शामिल हैं। पुलिस अन्य मामलों में भी आरोपियों की संलिप्तता का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

उपराज्यपाल सहित अन्य ने लोगों को दी क्रिसमस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। दिल्ली में क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया और विभिन्न गिरजाघरों में जाकर प्रार्थना की। इस अवसर पर गुरुवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना सहित सीएम रेखा गुप्ता व अन्य नेताओं ने लोगों को शुभकामनाएं दी। क्रिसमस के अवसर पर दिल्ली के छोटे बड़े गिरजाघरों को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। राजधानी के सबसे पुराने गिरजाघरों में शामिल ब्रिटिश काल के समय 1836 में कश्मीरी गेट में बनी सेंट जेम्स चर्च और 1862 में चांदनी चौक में बनाई सेंट स्टीफन चर्च में अनुयायियों की भीड़ लगी रही। इसके अलावा सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल गोल मार्केट और कैथेड्रल चर्च ऑफ़ द रिडेम्पशन नॉर्थ एवेन्यू जोकि दिल्ली के पुराने और प्रसिद्ध चर्चों में शामिल हैं, में भी लोगों ने मोमबत्ती आदि जलाकर प्रार्थना आदि की। इसके अलावा दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित गिरजाघरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहा। जबकि रात के समय रोशनी में नहाए इन धार्मिक स्थलों में प्रभु ईसा मसीह के सामने लोगों ने मोमबत्ती आदि जलाई।

क्रिसमस की धूम...

जबरन शराब पिलाकर नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

समयपुर बादली में 13 वर्षीय एक लड़की को जबरन शराब पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को जानकारी देते हुये बताया कि आरोपियों के नाम बादली निवासी बैंक कर्मचारी ऋषभ (26) और राजा विहार में सैलून मालिक नरोत्तम उर्फ नेता (28) शामिल है।

■ आरोपियों में बैंक कर्मचारी और दूसरा सैलून मालिक शामिल

पुलिस के अनुसार घटना की सूचना 20 दिसंबर की शाम पीसीआर कॉल के जरिये मिली थी। राजा विहार में एक लड़की को जबरन शराब पिलाये जाने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पीड़िता के पिता ने बताया था कि उनकी बेटी ने शराब का सेवन किया था। डीसीपी हरेश्वर स्वामी के अनुसार बाद में पूछताछ और पीड़िता के बयान दर्ज किए जाने पर गंभीर अपराध का खुलासा हुआ। पुलिस ने बताया कि चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान नाबालिग ने खुलासा किया कि राजा विहार में उसे बहला-फुसलाकर एक खाली घर में ले जाया गया था, जहां उसे जबरन शराब पिलाई गई और उससे दुष्कर्म किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि वह घर नरोत्तम का था।

पीड़िता के बयान और चिकित्सा परीक्षण के आधार पर 21 दिसंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 70 (सामूहिक दुष्कर्म) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

आप के तीन नेताओं पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज के साथ आप नेता संजीव झा और आदिल अहमद खान के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। शिकायत के अनुसार, 17 और 18 दिसंबर 2025 को इन नेताओं ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कनॉट प्लेस में सार्वजनिक रूप से किए गए एक राजनीतिक स्किट से जुड़े वीडियो साझा किए। इन वीडियो में ईसाई समुदाय के लिए पूजनीय और सांस्कृतिक प्रतीक माने जाने वाले सांता क्लॉज को कथित तौर पर आपत्तिजनक और मजाकिया तरीके से दिखाया गया। वीडियो में सांता क्लॉज बने लोग सड़क पर बेहोश होते और गिरते हुए नजर आते हैं, जिन्हें राजनीतिक संदेश देने के लिए प्रतीक के तौर पर इस्तेमाल किया गया बताया गया है।

आप नेताओं ने आस्था के साथ किया खिलवाड़ : सचदेवा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज, संजीव झा और आदिल अहमद खान के ऊपर पुलिस द्वारा धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने को लेकर की गई एफआईआर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्लीवासियों द्वारा सत्ता से हटाने के बाद आम आदमी पार्टी के नेता किस स्तर पर जाकर काम कर रहे हैं और अपने आप को खबर में रखने के लिए किस तरह के हथकंडों को अपना रहे हैं, यह एफआईआर उसका प्रमाण है।

अंतर्राज्यीय वाहन चोरों का सिंडीकेट मेवात में काटता था गाड़ियां

मायापुरी स्क्रैप मार्केट में बेचे जाते थे पुर्जे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

बाहरी जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्कवायड ने अंतर्राज्यीय वाहन चोरों के सिंडीकेट का पर्दाफाश किया है। यह गैंग दिल्ली-एनसीआर से गाड़ियां चुराकर मेवात में काटते थे। इसके बाद अलग-अलग पाट्‌र्स मायापुरी स्क्रैप मार्केट में बेचे जाते थे। इस सिलसिले में चार वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम शिवा कुशवाहा, विक्रम, मोहित और मोहम्मद हाफिज हैं। इनके अलावा गाड़ियों को अलग-अलग करने वाली यूनिट का मालिक इरफान भी पकड़ा गया है।

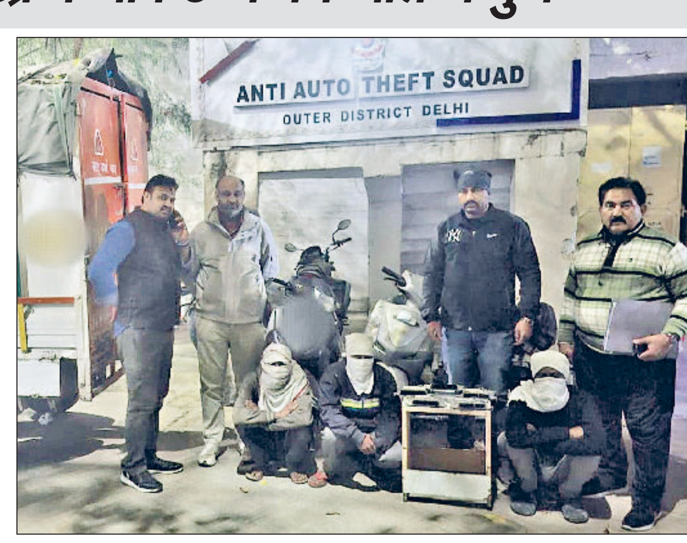

पुलिस के अनुसार पकड़े गये तीन आरोपी पहले भी दूसरे आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। आरोपियों से तीन चोरी की स्कूटी, दो चोरी की मोटरसाइकिलें, एक चोरी का मिनी ट्रक, पांच ट्रकों के ईसीएम और एक अपराध में इस्तेमाल किया गया मिनी ट्रक बरामद हुआ है। इस गिरफ्तारी से वाहन चोरी के आधा दर्जन मामले सुलझाने का दावा पुलिस ने किया है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आरोपी व्यक्ति दिल्ली-एनसीआर से कमर्शियल वाहन चुराने, उन्हें तोड़ने के लिए मेवात ले जाने और मायापुरी स्क्रैप मार्केट में अपने साथियों यानी इरफान के जरिए उनके पाट्‌र्स बेचने में शामिल थे।

एयरपोर्ट मारपीट केसः पायलट की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर एयर इंडिया के पायलट और यात्री के बीच हुई हिंसक झड़प में नया मोड़ आ गया है। अब स्पाइसजेट के यात्री अंकित देवन के खिलाफ भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर एयर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट विरेंद्र सेजवाल की शिकायत पर दर्ज हुई है। पायलट ने अपनी शिकायत में कहा है कि विवाद की शुरुआत यात्री द्वारा उकसाने और गाली-गलौज से हुई थी। उन्होंने यात्री पर अपशब्दों का प्रयोग करने, माहौल को तनावपूर्ण बनाने व हाथापाई करने का आरोप लगाया है।
गौरतलब है कि यह घटना 21 दिसंबर की है, जब टर्मिनल-1 पर स्पाइसजेट और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों के यात्रियों के बीच बोर्डिंग और ग्राउंड हैंडलिंग को लेकर कहासुनी हो गई थी। भीड़ और अव्यवस्था के बीच दोनों पक्षों के बीच बहस तेज हो गई और कुछ ही देर में बहस झड़प व मारपीट में बदल गई। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें एयरपोर्ट परिसर के भीतर यात्रियों और क्रू मेंबर्स के बीच धक्का-मुक्की और तनावपूर्ण माहौल देखा गया। इसके बाद स्पाइसजेट यात्री अंकित देवन ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट विरेंद्र सेजवाल के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। अब पायलट की ओर से क्रॉस एफआईआर कराई गई है। दिल्ली पुलिस दोनों शिकायतों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और एयरपोर्ट की सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह साफ हो सके कि विवाद की असली शुरुआत किसने की थी। फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

महात्मा गांधी मार्ग रिंग रोड पर, ऐतिहासिक वॉल्ड सिटी के पास स्थित है यह पार्क

एलजी ने सीएम संग किया उद्यान का नामकरण, पूर्व प्रधानमंत्री की याद में रखा 'सद्भावना अटल' नाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के मौके पर गुरुवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में अटल बिहारी वाजपेयी सद्भावना उद्यान का औपचारिक नामकरण किया। इस अवसर पर एलजी सक्सेना व सीएम रेखा के अलावा सांसद प्रवीण खंडेलवाल, दिल्ली के मुख्य सचिव राजीव वर्मा, दिल्ली विकास प्राधिकरण

(डीडीए) के उपाध्यक्ष एन सरवन कुमार सहित अन्य मौजूद थे। इस मौके पर एलजी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे दूरदर्शी नेता की याद में श्रद्धांजलि के तौर पर राष्ट्रीय राजधानी के बीचों-बीच 11 एकड़ का हरित क्षेत्र समर्पित किया है। जल्द ही यहां महान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एक मूर्ति लगाई जाएगी। इस अवसर पर एलजी सक्सेना व सीएम ने पार्क में प्रवेश के लिए खुद टिकट खरीदी और लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह भी अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए पार्क में जरूर आएं।

डीडीए द्वारा दी गई जानकारी अनुसार यह पार्क महात्मा गांधी मार्ग रिंग रोड पर, ऐतिहासिक वॉल्ड सिटी के समानांतर, स्थित है। इसमें फॉर्मल लॉन, सफेद मार्बल के रास्ते, शेडेड ईटिंग प्लाजा, बारादरी, नक्काशीदार फव्वारे, टॉयलेट जैसी पब्लिक सुविधाएं और मनोरंजन के लिए बेहद खुली जगहें हैं। गार्डन में मूर्ति के चारों ओर एक पानी का तालाब और फव्वारे हैं, जो देखने में शानदार लगते हैं। इस जगह के सांस्कृतिक चरित्र को और बेहतर बनाने के लिए, मशहूर पद्म विभूषण अवॉर्डी मूर्तिकार सुदर्शन साहू की बनाई यक्षिणी की चार मूर्तियां लीनियर लॉन में लगाई गई हैं। डीडीए का कहना है कि अपने शानदार डिजाइन के साथ, यह पार्क राष्ट्रीय राजधानी में अपनी तरह का पहला विकास है। दिल्ली के लोगों में, खासकर दरियागंज और पुरानी दिल्ली में रहने वालों के लिए यह अत्यंत मनोरंजन के लिए हरित क्षेत्र उपयोगी होगा।

आने वाले समय में पार्क की खूबसूरती को और बढ़ाने के लिए एक क्लॉक टावर बन रहा है। इसके अलावा, पार्किंग एरिया के पास एक फ़ूड वैन की सुविधा भी दी जाएगी। जिससे आगंतुकों को रिफ्रेशमेंट के विकल्प मिलेंगे, जिससे उनका पूरा अनुभव बेहतर होगा।

सीएम ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को अर्पित की श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर दिल्ली स्थित 'सदैव अटल' स्मारक पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा कि जन-जन के प्रिय, भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के पावन अवसर पर उनकी स्मृति स्थली 'सदैव अटल' जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन दर्शन, उनके आदर्श और उनका विचार-पथ सदैव हमें राष्ट्रसेवा के मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने 45 अटल कैंटीन जनता को की समर्पित

गरीब और जरूरतमंद अब पांच रुपए में करेंगे भरपेट पौष्टिक भोजनः रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में अब कोई गरीब, मजदूर और जरूरतमंद भूखा नहीं सोएगा क्योंकि दिल्ली सरकार ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर 45 अटल कैंटीनों को शुरू कर दिया है। इन कैंटीनो में मात्र पांच रुपए में पौष्टिक खाना उपलब्ध होगा। केंद्रीय ऊर्जा तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नेहरू नगर, लाजपत नगर स्थित 'अपना बाजार' के निकट अटल कैंटीन का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधायक तरविंदर सिंह मारवाह सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। यह योजना दिल्ली के श्रमिकों, गरीबों और जरूरतमंद नागरिकों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित मंत्रियों व गणमान्य अतिथियों के साथ अटल

कैंटीन में भोजन ग्रहण किया तथा संबंधित अधिकारियों को भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश भी दिए। इस अवसर पर केंद्रीय ऊर्जा एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सेवा, सुशासन और मानवीय संवेदनाओं के जीवंत प्रतीक श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में दिल्ली सरकार द्वारा शुरू की गई अटल कैंटीन एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि यह अभिनव पहल केवल एक योजना नहीं है, बल्कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सम्मानपूर्वक सहायता पहुंचाने का एक मजबूत संकल्प है। इस योजना के तहत मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर जनसेवा की भावना को सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मंत्र को आत्मसात करते हुए यह पहल सुनिश्चित करेगी कि दिल्ली में किसी को भूखा न रहना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता को इस महत्वपूर्ण पहल के सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी।

सीएम ने मेट्रो से किया सफर

उद्घाटन समारोह में पहुंचने के लिए सीएम रेखा गुप्ता ने एक अनुकरणीय पहल करते हुए दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन से लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन तक दिल्ली मेट्रो से यात्रा की। इस दौरान उन्होंने मेट्रो में सफर कर रहे आम नागरिकों से संवाद किया और उनके जीवन से जुड़े अनुभवों तथा सरकारी योजनाओं पर उनके फीडबैक को ध्यानपूर्वक सुना। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक परिवहन, विशेष रूप से दिल्ली मेट्रो के उपयोग को बढ़ावा देते हुए नागरिकों को प्रेरित किया और यह संदेश दिया कि सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक प्रयोग कर दिल्ली के वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

कैबिनेट मंत्रियों ने अपनी-अपनी विधानसभा में किया अटल कैंटीन का उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्रियों ने अपनी-अपनी विधानसभाओं में अटल कैंटीनों का शुभारंभ किया। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने एकता विहार, सेक्टर–6, आर.के.पुरम विधानसभा में 5 मात्र में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने वाली अटल कैंटीन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक अनिल शर्मा भी उपस्थित रहे। वहीं कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने अपनी विधानसभा बवाना में जेजे कॉलोनी और शाहबाद डेयरी में अटल कैंटीन का किया शुभारम्भ किया। इसी क्रम में कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने श्याम नगर, राजौरी गार्डन में अटल कैंटीन का उद्घाटन किया। वहीं कैबिनेट मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने अपनी विधानसभा विकासपुरी के जेजेसी इंदिरा कैंप-3 में 'अटल कैंटीन जनता को समर्पित की। वहीं मंत्री आशीष सूद जंगपुरा में अटल कैंटीन के उद्घाटन के अवसर पर मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने सभा को संबोधित किया। वहीं मंत्री कपिल मिश्रा ने सी-ब्लॉक नंद नगरी, शाहदरा में अटल कैंटीन को जनता को समर्पित किया।

दिल्ली को सस्ती थाली नहीं रोजगार की गारंटी चाहिए : यादव

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सीएम रेखा गुप्ता द्वारा शुरू की गई अटल कैंटीन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि दिल्ली को थाली नहीं, रोजगार की गारंटी चाहिए। शहरी गरीबों को 5 रुपये की थाली नहीं, बल्कि अकुशल मजदूरों को कम से कम 500 रुपये प्रतिदिन की दिहाड़ी के साथ रोजगार की पूरी गारंटी चाहिए। जिससे की उनके परिवारों को भोजन के लिए किसी अटल कैंटीन के सामने समाज के बीच लाचार होकर खड़े होने की मजबूरी न झेलनी पड़े। यादव ने कहा कि रेखा सरकार एक अटल कैंटीन में सुबह शाम केवल 500-500 थाली देगी जो कि दिल्ली की आबादी के अनुसार कर उँट के मुंह में जीरा वाली कहावत से अधिक कुछ नहीं है। जबकि अटल योजना का वार्षिक फण्ड 7,104 करोड़ रुपये है। दूसरी और हर जेजे कलस्टर में हजारों की संख्या में लोग रहते है, सरकार सिर्फ एक समय में 500 थाली देकर भ्रष्टाचार और अपराध के लिए नया रास्ता भी खोल रही है। इसका विकल्प शहरी रोजगार गारंटी पर अनुमानित 10000 करोड़ रुपये खर्च कर सभी को रोजगार की गारंटी दी जा सकती है। ऐसे में 7,104 करोड़ रुपये के अनुमानित वार्षिक फंड को अटल कैंटीन योजना पर लगाने के बजाय क्या संसाधनों का अधिक कुशल, पारदर्शी और जवाबदेह उपयोग संभव नहीं था।

गुरुद्वारा कमेटी ने गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व को समर्पित नगर कीर्तन का किया आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरुवार को साहिब-ए-कमाल गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व को समर्पित एक विशाल नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। यह नगर कीर्तन अरदास के उपरांत पांच प्यारों की अगुवाई में गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब से आरंभ हुआ और हरी नगर में संपन्न हुआ। पाँच प्यारों की अगुवाई में निकले इस नगर कीर्तन में सुंदर पालकी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सुशोभित थे। नगर कीर्तन में स्कूलों के विद्यार्थियों, दल पंथ के विभिन्न प्रतिनिधियों, निहंग सिंह जत्थेबंदियों सहित कीर्तन करने वाले जत्थे व टीमें शामिल थीं। मार्ग में संगतों के उमड़े जनसमूह ने नगर कीर्तन का गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत किया। जगह-जगह संगत द्वारा चाय, पकौड़े और खाने-पीने की अन्य वस्तुओं के लंगर लगाए गए थे। देर शाम यह नगर कीर्तन अपने अंतिम चरण में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा एल-ब्लॉक, आनंद विहार, हरी नगर पहुंचकर संपन्न हुआ।

मदन मोहन मालवीय और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

नई दिल्ली। दिल्ल विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को भारत रत्न पं. मदन मोहन मालवीय की 165वीं जयंती एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर विधानसभा में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विजेंद्र ने कहा कि दिल्ली विधानसभा भवन ऐतिहासिक रूप से केंद्रीय विधानसभा रहा है, जहां पं. मदन मोहन मालवीय स्वयं सदस्य के रूप में उपस्थित रहे और अपने संसदीय हस्तक्षेपों के माध्यम से इतिहास का निर्माण किया। वहीं गुप्ता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती का यह दिवस 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें यह स्मरण कराता है कि सुशासन ही राष्ट्र की सबसे बड़ी सेवा है।

दिल्ली में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की हिंदी अकादमी द्वारा पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को भारत मंडपम, सभागार-2, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी अकादमी, दिल्ली की प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका इन्द्रप्रस्थ भारती के विशेषांक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री, विधायकगण, साहित्यकार, कविगण एवं बड़ी संख्या में काव्य-प्रेमी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के तौर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिरकत की। वहीं दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग मंत्री कपिल मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया।

मंत्री आशीष सूद ने गुड गवर्नेंस-डे पर 240 मेधावी छात्र-छात्राओं को बांटे टैबलेट

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को गुड गवर्नेंस डे के अवसर पर जनकपुरी क्षेत्र के 240 मेधावी छात्र-छात्राओं को डिजिटल सशक्तिकरण के उद्देश्य से टैबलेट प्रदान किए जा रहे हैं। सूद ने कहा कि

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस को देश गुड गवर्नेंस डे के रूप में मनाता है, क्योंकि उनके नेतृत्व में देश को भ्रष्टाचार-मुक्त और सुशासन आधारित सरकार मिली। आज देशभर में दिखाई देने वाला आधुनिक राष्ट्रीय राजमार्गों और सुदृढ़ सड़क नेटवर्क का स्वरूप अटल जी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्षों पहले ही एक विकसित भारत का सपना देखा था। दिल्ली मेट्रो की परिकल्पना भी उन्हीं की देन है, जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना के साथ मिलकर आगे बढ़ाया गया। सूद आगे ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आयुषी डबास आईएस उपस्थित रही, जो पूर्व में शिक्षिका रह चुकी हैं और जिन्होंने दृष्टि बाधित श्रेणी में देश की सर्वोच्च रैंक हासिल कर एक मिसाल कायम की है। इसके अतिरिक्त, डॉ. आभा भी मौजूद रहीं।

खबर संक्षेप

बचाओ संघर्ष समिति का धरना जल्द होगा समाप्त

फरीदाबाद। फरीदाबाद के गांव बडोली और प्रहलादपुर में पिछले 21 दिनों से चल रहा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा तोड़फोड़ के विरोध में गांव बचाओ संघर्ष समिति में शामिल गांव के लोग आज राज्य मंत्री राजेश नागर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा दिए गए ठोस आश्वासनों के बाद ग्रामीणों ने धरना खत्म करने का निर्णय लिया। धरने में ग्रामीण आज राज्य मंत्री राजेश नागर के निवास स्थान पर पहुंचे।

पीएम का घेराव करेगी टीम मनसा पासवान

फरीदाबाद। प्रशासन और नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे झुग्गियां तोड़ने के अभियान के खिलाफ बसपा मेयर पद की प्रत्याशी रही मनसा पासवान की टीम 28 दिसंबर को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी के आवास का घेराव कर प्रदर्शन करेगी। पूर्व मेयर प्रत्याशी मनसा पासवान के साथ एडवोकेट तरुण अरोड़ा ने दी। सेक्टर 23 में कार्यालय पर पत्रकारों से रूबरू हुए तरुण अरोड़ा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट 1985 से लेकर वर्तमान तक लगातार कई फैसलों में सरकारों को आदेश दे चुका है।

आकाश ने ऑफिसर बन छुआ आसमानः शर्मा

फरीदाबाद। गांव भनकपुर निवासी गंगा पहलवान के पौत्र एवं छतर सिंह रावत के सुपुत्र आकाश रावत के एफकैट परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग ब्रांच में फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में चयनित होने पर बल्लभगढ़ से विधायक एवं हरियाणा के पूर्व मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ के बापूनगर स्थित उनके निवास पर पहुंचकर आकाश रावत एवं परिजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

भाजपा कार्यकताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी के जन्मदिन पर अर्पित की श्रद्धांजलि

अटल जी का व्यक्तित्व, विचार और नेतृत्व कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर भाजपा ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रत्येक मंडल में यह कार्यक्रम मंडल अध्यक्षों की देखरेख में संपन्न हुआ।

कार्यकर्ताओं ने अटल जी के राष्ट्रनिर्माण, सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं जनसेवा के आदर्शों को आत्मसात करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेंद्र कश्यप ने राजनगर मंडल के बूथ संख्या 253 पर अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं मिठाई खिलाकर व वितरित कर जन्म जयंती मनाई। इस अवसर पर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अटल जी की प्रसिद्ध पंक्तियों को स्मरण करते हुए कहा कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं हो सकता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व, विचार और नेतृत्व आज भी कार्यकर्ताओं एवं देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है, और उनके आदर्शों पर चलकर ही एक सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिनके विचार आज भी राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक हैं। प्रत्येक बूथ पर आयोजित यह कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को उनके आदर्शों के अनुरूप कार्य करने की प्रेरणा देता है। भाजपा संगठन अटल जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए सतत कार्य करता रहेगा। राजनगर मंडल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप, मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी, डॉक्टर सागर कश्यप, अभिजीत मुखर्जी, मनोज गिरी, विशाल, मनीष, राजनाथ राम, हरीश , बबलू जुगनू ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुशासन दिवस समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री गुर्जर ने कहा-

सुशासन केवल शब्द नहीं, आम नागरिक के जीवन को सरल बनाने की सशक्त व्यवस्थाः कृष्ण पाल गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मनोहर लाल की नीतियों की विरासत को आगे बढ़ा रहे सीएम नायब सैनी

मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस से प्रशासन बना जनहितैषी

सुशासन केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक सशक्त और प्रभावी व्यवस्था है, जिसका मूल उद्देश्य आम नागरिक के जीवन को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना है। यह बात केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कही। वे वीरवार को सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय सुशासन दिवस समारोह बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर वहां उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा, बड़खल विधायक धनेश अदलखा, फरीदाबाद एनआईटी विधायक सतीश फागना, मेयर प्रवीण जोशी, भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूरन रामपाल व बल्लभगढ़ जिलाध्यक्ष सोहन पाल सिंह, पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा, जिला परिषद चेयरमैन विजय सिंह भी मौजूद रहे। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि सुशासन की बुनियाद जनता की भागीदारी, कानून का शासन, पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, सामाजिक न्याय और मानव अधिकारों के संरक्षण पर टिकी होती है। वर्ष 2014 के बाद केंद्र और राज्य सरकारों ने प्रशासन के आधुनिकीकरण की दिशा में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जिनका सीधा लाभ आम जनता को मिला है। डिजिटल तकनीक के व्यापक उपयोग समयबद्ध और बाधारहित सेवा वितरण तथा समावेशी विकास की नीति ने शासन को अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनाया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) परिवार पहचान पत्र, ऑनलाइन राजस्व रिकॉर्ड और ई-गवर्नेंस जैसी पहलों ने न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाया, बल्कि भ्रष्टाचार पर भी प्रभावी रोक लगाई है। इन पहलों के चलते बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त हो गई है और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। आज अधिकांश सरकारी सेवाएं और सुविधाएं एक क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं, जिससे आम नागरिक को कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली है। सुशासन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रसारण किया गया। जिसमें भारत रतन अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन चरित्र पर एक लघु फिल्म दिखाई गई और सबका साथ सबका विकास सुशासन पर एक वृत्तचित्र भी प्रसारित किया गया।

उन्होंने कार्यक्रम में मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि इसी सोच के तहत हजारों पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया गया जिससे प्रशासन अधिक जनहितैषी सरल और प्रभावी बना। सुशासन के इन प्रयासों का सकारात्मक असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और भारत तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सुशासन की दिशा में की गई पहलों की विशेष रूप से सराहना की गई।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन की मजबूत नींव रखी गई, जिसे वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। हरियाणा आज सुशासन के क्षेत्र में देश के लिए एक उदाहरण बनकर उभरा है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों को सुशासन दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं और विश्वास व्यक्त किया गया कि शासन और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से देश और प्रदेश आने वाले वर्षों में विकास, पारदर्शिता और जनकल्याण की नई बुलंदियों को छुएंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

बत्रा हार्ट हास्पिटल में रक्तदान कर मनाई अटल बिहारी वाजपेयी जयंती

फरीदाबाद। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर सेक्टर 31 स्थित बत्रा हार्ट एंड मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें हास्पिटल के स्टाफ सहित अनेकों रक्तदाताओं ने स्वेच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने किया। शिविर में मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर का स्वागत हास्पिटल के चैयरमेन व उद्योगपति रमेश कुमार बत्रा व हास्पिटल के डायरेक्टर व वरिष्ठ हृदयरोग विशेषज्ञ डा. पंकज बत्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर रक्तवीरों को प्रोत्साहित करते हुए केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति को प्रतिवर्ष रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदाताओं के द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचाता है। रक्त मनुष्य के सिवाय किसी अन्य स्रोत्र से प्राप्त नहीं हो सकताए केवल मनुष्य का रक्त ही मनुष्य के काम आता है। रक्तदाताओं को सम्बोधित करते हुए डा. पंकज बत्रा ने कहा कि रक्तदान करने वाले मनुष्य का जीवन स्वस्थ्य रहता है क्योंकि रक्तदान के बाद बनने वाला रक्त शरीर में ऊर्जा व स्फूर्ति पैदा करता है जिससे व्यक्ति को कम बीमारियां होती हैं। कार्यक्रम में भारतीय रैडक्रास सोसाइटी के उप संरक्षक व हास्पिटल के जन संपर्क अधिकारी बीरेन्द्र गौड़ ने कहा कि स्वस्थ्य पुरूष को हर तीन महीने में व महिला को हर चार महीने में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने रक्तदान का महत्व बताते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और किसी रक्तदाता के द्वारा दिया गया रक्त जरूरतमंद के लिए जीवनदान है।

सुशासन के सिद्धांतों को आत्मसात करने का किया आह्वान

अटल जी की दूरदर्शिता पर टिका है विकसित भारत का सपनाः राव नरबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर गुरुग्राम सहित प्रदेशभर में सुशासन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा की उपस्थिति रही। पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का सजीव प्रसारण भी किया गया, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन को उपस्थितजनों ने सुना। जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी ऐसी महान विभूति थे, जिन्हें सुनने और समझने के लिए सभी विचारधाराओं के लोग एकत्रित होते थे। अटल बिहारी वाजपेयी ने न केवल देश की राजनीतिक व्यवस्था को नई दिशा दी, बल्कि सामाजिक उत्थान के लिए भी जीवनभर कार्य किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बहुदलीय सरकार का सफल संचालन, परमाणु परीक्षण के माध्यम से भारत की वैश्विक पहचान और राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने की सोच अटल जी की दूरदर्शिता का परिचायक है।

जन्म जयंती पर संस्मरण कार्यक्रम आयोजित

अटल जी का जीवन सेवा व सुशासन का जीवंत दस्तावेजः सत्य प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर मानेसर मंडल पर एक संस्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भाजपा हरियाणा एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पटौदी के पूर्व विधायक सत्य प्रकाश जरावता मुख्य अतिथि रहे। नगर निगम मानेसर में निगम के प्रत्याशी रहे सरपंच सुंदर लाल यादव की अध्यक्षता में संस्मरण कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर सभी ने अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके महान जीवन आदर्शों को याद किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सत्य प्रकाश जरावता ने कहा कि अटल जी के उस विराट व्यक्तित्व की चर्चा की।

कलश यात्रा परिक्रमा में शामिल रहे मुस्लिम समुदाय की उपस्थिति ने सद्भावना का दिया संदेश

श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर निकली गई भव्य कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर आयोजित भव्य कलश यात्रा में काफी संख्या में शामिल हुए मुस्लिम समुदाय ने सद्भावना का संदेश दिया। सभी मुस्लिम प्रसन्नता पूर्ण इस परिक्रमा में पूरे समय हामिद खान, वली मोहम्मद, अजीज खान, इमाम जमालुद्दीन, याकूब खान, फजरू खान, सरदार खान, शेर खान, मजीद खान मुख्य रूप से शामिल रहे। आयोजक जितेंद्र त्यागी ने अपने दिवंगत माता-पिता स्वर्गीय कालूराम त्यागी और स्वर्गीय शिक्षा देवी की पावन स्मृति में आयोजित श्रीमद भागवत कथा सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली। उसके उपरांत वृंदावन वाले सुप्रसिद्ध कथा वाचक कथा व्यास पंडित राकेश शास्त्री महाराज अपनी ओजस्वी वाणी में भगवान श्री कृष्ण की समस्त लीलाओं और भागवत महापुराण के रहस्यों को भक्तों के समक्ष सहज एवं सरल भाव से रखेंगे। ग्रेटर फरीदाबाद में अमृता हॉस्पिटल के निकट

ग्राम बादशाहपुर में आज से भक्ति और ज्ञान की गंगा बहने जा रही है। स्वर्गीय कालूराम त्यागी और स्वर्गीय शिक्षा देवी की पावन स्मृति में उनके परिवार द्वारा श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक अनुष्ठान त्यागी निवास में आयोजित किया जा रहा है। कथा का वाचन सुप्रसिद्ध कथा व्यास पं. राकेश कृष्ण शास्त्री महाराज (वृंदावन वाले) द्वारा किया जाएगा। शास्त्री अपनी ओजस्वी वाणी से भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं और भागवत महापुराण के रहस्यों को भक्तों के समक्ष सहज सरल भाव से रखेंगे।

महत्वपूर्ण दायित्व को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे

अश्वनी गुलाटी को तीसरी बार जिला संयोजक की जिम्मेदारी मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद जिला के प्रभारी नरेन्द्र वत्स, भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल तथा संपूर्ण भाजपा संगठन ने एक बार फिर अश्वनी गुलाटी पर विश्वास जताते हुए उन्हें तीसरी बार भाजपा चुनाव आयोग संपर्क विभाग फरीदाबाद का जिला संयोजक नियुक्त किया है।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि अश्वनी गुलाटी को चुनावी प्रक्रियाओं और संगठनात्मक कार्यों का लंबे समय से व्यापक अनुभव है। उनके अनुभव, कार्यकुशलता और संगठन के प्रति समर्पण को

देखते हुए पार्टी ने दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने गुलाटी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे इस महत्वपूर्ण दायित्व को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे। नियुक्ति के पश्चात अश्वनी गुलाटी भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल को मुंह मीठा कराकर आभार व्यक्त किया।

नमो भारत ट्रेन में सांता ने ग्रीन परिवहन का ब्रांड एंबेसडर बन अनोखे अंदाज़ में लोगों को किया जागरूक

गाजियाबाद। एक तरफ पूरे भारत मे जहां क्रिसमस पर्व मनाया जा रहा है, वहीं एनसीआरटीसी ने दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण की गंभीर स्थिति के बीच जन-जागरूकता से जुड़ा विशेष अभियान नमो भारत के साथ एक ग्रीन क्रिसमस का आयोजन किया। अनूठे अभियान के तहत सांता क्लॉज़ को स्वच्छ मोबिलिटी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया, जिन्होंने एक अनोखे और रोचक अंदाज़ में लोगों को पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन अपनाने का संदेश दिया।

विश्व ध्यान दिवस पर पहला भजन क्लबिंग आयोजन किया

फरीदाबाद। विश्व ध्यान दिवस पर फरीदाबाद में उपरोक्त आयोजित कार्यक्रम एक साधारण आयोजन से कहीं आगे बढ़कर सामूहिक चेतना का अनुभव बन गया। वर्ल्ड स्ट्रीट, ओमेक्स की पेरिस स्ट्रीट पर शहर ने पहली बार भजन क्लबिंग संध्या का साक्षी बनाए जिसे गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर द्वारा 180 से अधिक देशों में प्रसारित लाइव निर्देशित ध्यान के साथ जोड़ा गया। दि आर्ट आफ लिविंग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक साधक, परिवार और युवा शामिल हुए। पारंपरिक भजनों और आधुनिक संगीत संयोजन ने वातावरण को ऊर्जावान होने के साथ-साथ गहराई से शांत बना दिया। कार्यक्रम का वैश्विक आकर्षण गुरुदेव का 180 से अधिक देशों के बीच लाइव ध्यान रहा, जिसमें दुनिया भर से लाखों लोगों ने एक साथ सहभागिता की। यह अनुभव इस बात का सशक्त संदेश था कि आज के समय में आंतरिक शांति एक आवश्यकता बन चुकी है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बबलू पुत्र श्री रामजी लाल पता प्लॉट नं.74–ए, एक्सटेंशन आईसी नांगलोई, दिल्ली ने एफआईआर नं 04/2023 धारा 160 भा.द.स. के तहत** थानाः पी विहार वेस्ट, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बबलू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **बबलू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर 04/2023 धारा 160 भा.द.स. के तहत थानाः पी विहार वेस्ट, दिल्ली के उक्त बबलू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अंकित करण सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–08
वेस्ट जिला, कमरा नं. 30,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/17318/OD/2025

बांग्लादेशः दीपू चंद्र दास की बर्बर हत्या के विरोध में विहिप समेत हिंदू संगठन सड़क पर उतरे

योजनाबद्ध तरीके से हिंदुओं को बनाया जा रहा है निशानाः खांडेकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

बांग्लादेश में हिंदू समाज के खिलाफ लगातार बढ़ती हिंसा और हिंदू श्रमिक दीपू चंद्र दास की बर्बर हत्या के विरोध में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल गाजियाबाद इकाई ने प्रदर्शन किया। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

यह प्रदर्शन विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष आलोक गर्ग के नेतृत्व में किया गया। जबकि पश्चिम उत्तर प्रदेश के विहिप क्षेत्रीय संगठन मंत्री मुकेश खांडेकर मुख्य वक्ता थे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही हिंदू समाज को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिरों, हिंदू व्यवसायियों, महिलाओं और पत्रकारों पर हमले आम हो चुके हैं। हाल ही में मेमन सिंह जिले के भालुका क्षेत्र में दीपू दास की ईशनिंदा के झूठे आरोप में की गई नृशंस हत्या ने सभ्य समाज को शर्मसार कर दिया है।

उन्होंने कहा कि दीपू दास को पीट-पीटकर मारने, शव को पेड़ से लटकाकर जलाने और वीडियो वायरल करने जैसी घटनाएं पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में हुईं, जो प्रशासनिक विफलता को उजागर करती हैं। विहिप के महानगर अध्यक्ष आलोक गर्ग ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा और प्रशासन की निष्क्रियता अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की चुप्पी अपराधियों को खुला संरक्षण देने जैसी है। बांग्लादेश सरकार को तुरंत कठोर कार्रवाई करनी चाहिए और अल्पसंख्यकों के लिए भयमुक्त वातावरण बनाना चाहिए।

एक ज्ञापन भी इस मौके पर जिला प्रशासन के माध्यम से संबंधित संस्थाओं को भेजा गया। जिसमें बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा पर तत्काल रोक लगाने, दोषियों की पहचान कर त्वरित व कठोर कानूनी कार्रवाई, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी सुरक्षा तंत्र लागू करने व अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठन हस्तक्षेप करने की मांग की गई है।

इस दौरान विहिप गाजियाबाद विभाग संगठन मंत्री साहिल वालिया,सुभाष बजरंगी, राजू छाबड़ा, अश्वनी शर्मा, प्रबल गुप्ता, लोकेश जैन, नवीन गौतम, मुदित शर्मा, डॉ. सुरेन्द्र गुप्ता, पंकज, संजीव बरनवाल, अमित, अतुल, निखिल, मनीष, बबलू, चंद्रबली सहित सैकड़ों की संख्या में हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अरबाज़ पुत्र** साहाबुद्दीन **निवासीः** म.नं. 73, गली नं. 1, गाँव गामड़ी एवं डलवा का मकान, गाँव गामड़ी, दिल्ली ने **FIR No. 489/20 U/s 356/379/411/34 IPC थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अरबाज़** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अरबाज़** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 489/20 U/s 356/379/411/34 IPC थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अरबाज़** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
जेएमएफसी-01, कमरा नं. 73
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/11941/NE/2025
(Court Matter)

पेज एक का शेष

मप्र में निवेश फायदे ...

समिट' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की निवेश लागत से प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थापित होने वाली हजारों औद्योगिक एवं निर्माण इकाइयों का सामूहिक भूमिपूजन किया। शाह ने मंच से 5,810 करोड़ रुपए लागत से औद्योगिक विकास परियोजनाओं एवं सड़क विकास कार्यों का लोकार्पण कर 860 वृहद औद्योगिक इकाइयों को 725 करोड़ रुपए की निवेश प्रोत्साहन सहायता राशि सिंगल क्लिक से वितरित की। इससे प्रदेश के 1.93 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। शाह ने मंच से चार निवेशकों को भूमि आवंटन पत्र एवं लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए। इनमें मैक्केन ग्रुप के डायरेक्टर अमिताभ बक्शी, एलएनजे (भीलवाड़ा समूह) के चेयरमैन रिजु झुनझुनवाला, ग्रीन वेंट प्रालि के आशीष कुमार उपाध्याय तथा नेचर्स बायो फूड्स के वाइस प्रेसिडेंट राजेश जायसवाल शामिल हैं। शाह एवं अतिथियों द्वारा प्रदेश में उच्च रोजगार सृजन करने वाले उद्योगपतियों का सम्मान किया गया। इनमें वीई कमर्शियल व्हीकल्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर बी श्रीनिवास, वर्धमान ग्रुप के सीनियर प्रेसिडेंट राजीव आगरा, न्यू जील फैशन वेयर के प्रबंध संचालक दीनबंधु त्रिवेदी और गोकलदास एक्सपोर्ट्स के कार्यकारी संचालक प्रभात सिंह शामिल हैं। विजन 2047 पर आधारित औद्योगिक विकास यात्रा पर लगाई गई प्रदर्शनी का केंद्रीय मंत्री शाह एवं अन्य अतिथियों ने अवलोकन किया।

शाह ने की मुख्यमंत्री डॉ. यादव की तारीफ...मोदी की परपंरा को डॉ. यादव ने आगे बढ़ाया: शाह ने मध्यप्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई देते हुए कहा कि देश में इंडस्ट्रियल समिट की शुरुआत नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में की थी। डॉ. यादव ने भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए राज्य के संतुलित विकास के लिए रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव की शुरुआत की। यह मध्यप्रदेश के अंदर सभी क्षेत्रों में निवेश का आधार बना है। धार में पीएम मित्र पार्क से कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश में भौगोलिक क्षेत्र के आधार आयोजित हो रही निवेश समिट से राज्य के विकास को नई दिशा मिल रही है।

राजा साहब सिंधिया कहते ही बज गईं तालियां: शाह के एक संबोधन ने उपस्थित लोगों को देर तक ताली बजाने के लिए मजबूर कर दिया। दरअसल, भाषण के शुरू में ही लोगों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को राजा साहब सिंधिया कहकर संबोधित किया और तालियां बज उठी।

अटल जी की भावपूर्ण तस्वीर ने मन मोहा: मुख्य मंच पर सजी भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य एवं भावपूर्ण तस्वीर (पोर्ट्रेट) ने सभी अतिथियों का मन मोह लिया। शाह व मुख्यमंत्री सहित मंचासीन गणमान्य अतिथियों ने इस चित्र के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाह को पराली से निर्मित अटलजी की आकर्षक प्रतिमा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। यह विशिष्ट एवं पर्यावरण-संवेदनशील कलाकृति नव उद्यमी शुभम सिंह की क्राफ्ट कंपनी द्वारा तैयार की गई है।

सीएम डॉ. यादव ने कहा...ग्रोथ समिट से औद्योगिक विस्तार को मिलेगी नई गति: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट से प्रदेश में औद्योगिक विस्तार को नई गति मिलेगी और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह आयोजन प्रदेश के उज्जवल औद्योगिक भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को 'भारत का विकास और अवसरों का केंद्र' बताते हुए सभी निवेशकों से प्रदेश में निवेश जरूर करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश आज उन चुनिंदा राज्यों में है, जहां प्राकृतिक संसाधन, उद्योग-अनुकूल नीतियां, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थिर शासन सभी निवेशकों के लिए आदर्श वातावरण तैयार करते हैं। उन्होंने निवेशकों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। निवेशक भारत के दिल से जुड़े रहें। मध्यप्रदेश भी हमेशा निवेशकों के साथ सहयोग और साझेदारी करने में पीछे नहीं रहेगा।

सीमाओं पर तनाव...

2 टन तक परमाणु मारक सामग्री लेकर करीब 3 हजार 500 किमी की दूरी पर मौजूद लक्ष्यों को आसानी से भेद सकती है। सूत्रों ने बताया कि परीक्षण को नौसेना ने इसी सप्ताह मंगलवार को विशाखापट्टनम के समुद्र तट से किया है। क्योंकि अरिघात एक परमाणु चालित पनडुब्बी है, जिसका कुल वजन 6 हजार टन है। इसलिए यह प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली त्रि-सैन्य स्तरीय सामरिक बल कमांड (एसएफसी) के पूर्णतः नियंत्रण में रहती है। परमाणु हथियारों का निर्माण भारत ने रक्षात्मक दृष्टिकोण और जिस परमाणु सिद्धांत के साथ किया है। वो इन हथियारों का कभी भी पहले इस्तेमाल न करने की नीति (नो फर्स्ट यूज) पर आधारित है। फिलहाल रक्षा मंत्रालय या केंद्र सरकार ने इस परीक्षण की आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं की है। उधर, जानकारों ने कहा कि इस परीक्षण से पाकिस्तान, बांग्लादेश के साथ ही चीन को भी कड़ा संदेश चला गया है। जिसमें भारत ने ये बता दिया है कि अगर उसका कोई भी पड़ोसी अकारण ही उसे परेशान करेगा। तो उसे उसका गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।

परीक्षण का होगा व्यापक आकलन: सूत्रों ने कहा कि आगामी वक्त में इस परीक्षण का व्यापक रूप से आकलन किया जाएगा। जिसमें यह देखा जाएगा कि क्या ये परीक्षण तकनीकी आकलन, मिशन के लिए तय किए गए सभी उद्देश्यों को सफलता के साथ हासिल कर पाया या नहीं या फिर मिसाइल परीक्षण में किसी तरह की कोई कमी तो नहीं रह गई? पूर्ण तैनाती से पहले आमतौर पर एक बैलिस्टिक मिसाइल कई परीक्षणों से होकर गुजरती है। जिसमें खासतौर पर पनडुब्बी से दागी गई मिसाइल मुख्य रूप से शामिल है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद ही परीक्षण को 360 डिग्री रणनीतिक सफलता की पदवी मिल जाती है।

बाकी देशों में भारत की स्थिति: भारत के पास वर्तमान में जो दो परमाणु चालित पनडुब्बियां अरिहंत और अरिघात हैं। वो अमेरिका, चीन और रूस के पास मौजूद इसी श्रेणी की पनडुब्बियों के आकार में आधी कही जा सकती हैं। फिलहाल अरिहंत के-4 मिसाइल के साथ पूरी तरह से रणनीतिक रूप से देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में तैनात है। जबकि के-5, 6 श्रेणी की पनडुब्बियों और उनमें फिट होने वाली 5 से 6 हजार किलोमीटर मारक क्षमता वाली मिसाइलों के आने में अभी कुछ समय बाकी है। एक बार ये सभी नौसेना में शामिल हो गईं तो उक्त विकसित देशों और भारत के बीच बना हुआ ये अंतर खत्म हो सकता है। इन सभी देशों के पास अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस पनडुब्बियां हैं।

पिछले साल...

न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन (एसएसबीएन) श्रेणी के रूप में जानी जाती हैं। इसके साथ ही भारत एस-5 श्रेणी की परमाणु चालित पनडुब्बियों के डिजाइन सहित निर्माण की दिशा में भी अग्रसर है। इन पनडुब्बियों की कुल विस्थापन क्षमता यानी वजन 13 हजार 500 टन होगा और इनसे करीब 5 से 8 हजार किलोमीटर की दूरी तक मार करने में सक्षम के-5 मिसाइल तैनात की जाएंगी। भारत एसएसबीएन श्रेणी की तीसरी पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को अगले साल 2026 के मध्य में कमीशन करेगा। जबकि चौथी 2027-28 तक बल की सेवा में आने की उम्मीद है। जिसे लगभग एक दशक पहले गोपनीय उन्नत प्रौद्योगिकी वेसल योजना (एटीवी) के तहत 90 हजार करोड़ रुपए से अधिक की भारी भरकम लागत के साथ शुरू किया गया था।

यूएन समर्थित...

और नागरिक समाज शामिल रहते हैं। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य कच्चे हीरे के व्यापार को रोकना है। मालूम हो कि ये वही कच्चे हीरे हैं, जिनका इस्तेमाल विद्रोही समूह या उनके सहयोग ऐसे तमाम संघर्षों को वित्तपोषित करने के लिए करते हैं। जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों में परिभाषित वैध सरकारों को कमजोर करते हैं।

विदेश और वाणिज्य मंत्री ने दी प्रतिक्रिया: विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इसे लेकर अपनी एक्स पोस्ट में प्रसन्नता जाहिर करते हुए लिखा, किम्बर्ली प्रक्रिया में नए साल में भारत की अध्यक्षता की शुरुआत होगी। इस निर्णय से सुधार और आम सहमति के माध्यम से हीरे के व्यापार के अंतरराष्ट्रीय शासन में भारत की भूमिका की पुनः पुष्टि हुई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये निर्णय भारत का चयन अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता में वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। 25 दिसंबर को भारत इस प्रक्रिया के तहत उपाध्यक्ष और 1 जनवरी 2026 से अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभालेगा। गोयल के बयान के बारे में जानकारी केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने दी है।

बदलाव के दौर में मिली जिम्मेदारी: हीरा निर्माण और व्यापार के एक मुख्य वैश्विक केंद्र के रूप में भारत को एक ऐसे वक्त में नेतृत्व मिला है। जब भू-राजनीतिक स्तर पर बदलाव हो रहे हैं और टिकाऊ और जिम्मेदार स्त्रोतों पर जोर बढ़ रहा है। अपने कार्यकाल में भारत शासन-अनुपालन को मजबूत करने, डिजिटल प्रमाणीकरण, पता लगाने की क्षमता को बढ़ावा देने, डेटा आधारित निगरानी के जरिए पारदर्शिता बढ़ाने और संघर्ष मुक्त हीरों में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यूएन के एक प्रस्ताव के तहत किम्बर्ली प्रक्रिया प्रमाणन योजना 1 जनवरी 2023 से लागू हुई थी। तब से कच्चे हीरों के व्यापार पर रोक लगाने के लिए एक प्रभावी तंत्र के रूप में यह विकसित हुई है। वर्तमान में इसके 60 भागीदार हैं। जिनमें यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों को एक ही भागीदार के रूप में माना जाता है। प्रक्रिया के भागीदार मिलकर वैश्विक कच्चे हीरों के व्यापार के 99 फीसदी से अधिक भाग पर कब्जा रखते हैं। जिससे यह इस क्षेत्र को नियंत्रित करने वाला सबसे व्यापक वैश्विक तंत्र बन जाता है।

ट्रंप के खास सर्गियो...

'मार-ए-लागो' में हुई, जहां दोनों राजदूतों ने साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा की। ट्रंप के करीबी माने जाने वाले सर्जियो गोर भारत में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यभार संभालने की तैयारी कर रहे हैं। इसी बीच दोनों देशों के राजदूतों की मुलाकात हुई। भारत के राजदूत क्वात्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में इस मीटिंग का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मार-ए-लागो में सर्जियो गोर से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान व्यापार संबंधों को मजबूत करने के हमारे साझा लक्ष्यों पर व्यापक चर्चा हुई, साथ ही, भारत में अमेरिका के राजदूत के तौर पर अपनी जिम्मेदारी संभालने की तैयारी कर रहे गोर ने अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं के बारे में भी बताया।

रिश्तों में सुधार ...

है कि कुछ भारतीय निर्यात पर लगे टैरिफ को हटाया जाए। बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाना चाहते हैं और निवेश को बढ़ावा देना चाहते हैं।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें: आज से बढ़ जाएगा रेल किराया

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली

आज से रेलवे यात्री किराया बढ़े हुए दरों पर लागू हो जाएगा। भारतीय रेलवे ने यात्रियों पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करते हुए किराया संरचना का युक्तिकरण करने का निर्णय लिया है। रेलवे मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, उपनगरीय रेल सेवाओं, सीजन टिकटों तथा 215 किलोमीटर तक की द्वितीय श्रेणी (सेकंड क्लास) साधारण यात्रा के किराये में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

स्लीपर और प्रथम श्रेणी साधारण में मामूली बढ़ोतरी

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि आम यात्रियों पर बोझ कम रखने के उद्देश्य से स्लीपर क्लास और प्रथम श्रेणी साधारण में केवल 1 पैसा प्रति किलोमीटर की मामूली वृद्धि की गई है।

यह वृद्धि न्यूनतम रखी गई है ताकि लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों पर सीमित असर पड़े।

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में अधिकतम 2 पैसे प्रति किमी

रेलवे के अनुसार, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी और नॉन-एसी सभी श्रेणियों के लिए किराया संशोधन को अधिकतम 2 पैसे प्रति किलोमीटर तक सीमित रखा गया है। रेलवे ने इसे संतुलित और युक्तिसंगत कदम बताया है, जिससे परिचालन लागत और यात्रियों की सुविधा, दोनों में संतुलन बना रहे। आरक्षण शुल्क और सुपरफास्ट चार्ज में कोई बदलाव नहीं किराया युक्तिकरण के तहत आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके अलावा, जीएसटी की लागू व्यवस्था और किराया राउंडिंग के नियम भी पहले की तरह ही बने रहेंगे।

26 दिसंबर यानी आज से लागू होंगे संशोधित किराये

रेलवे ने साफ किया है कि संशोधित किराये केवल 26 दिसंबर 2025 से बुक किए गए टिकटों पर लागू होंगे।

इससे पहले बुक किए गए टिकटों पर, भले ही यात्रा की तारीख भविष्य की हो, किसी प्रकार का अतिरिक्त किराया नहीं लिया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस निर्णय का उद्देश्य राजस्व आवश्यकताओं और यात्रियों के हितों के बीच संतुलन बनाना है। विशेष रूप से दैनिक यात्रियों, उपनगरीय सेवाओं के उपयोगकर्ताओं और छोटी दूरी की यात्रा करने वाले आम लोगों को इस फैसले से राहत मिलेगी।

रेलवे का यह कदम ऐसे समय में आया है जब महंगाई और यात्रा लागत को लेकर आम यात्रियों की चिंताएं बनी हुई हैं। मंत्रालय का दावा है कि यह युक्तिकरण न्यूनतम वृद्धि और अधिकतम राहत के सिद्धांत पर आधारित है।

जंगल में गूंजती चीखों के बीच दर्दनाक मौत

बलरामपुर। यहां भांभर रेंज के अंतर्गत नेपाल सीमा से सटे गांव बिशनपुर कोडर में गुरुवार की सुबह शौच करने गई एक लड़की पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। हमले से लहूलुहान युवती खुद को बचाने की गुहार लगाती जोर-जोर से चीखने लगी। चीखें सुनकर लोग उसे बचाने को दौड़े भी लेकिन तब तक तेंदुए ने लड़की के गले को नोंच का काट डाला। और भाग गया। जंगल में गूंजती अपनी ही चीखों के बीच युवती की दर्दनाक मौत हो गई।

मिट्टी में मिला वाजिद बेग का अवैध बरातघर

बरेली। बरेली बवाल के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी पूर्व पार्षद एवं प्रॉपर्टी डीलर वाजिद बेग के अवैध बेग बरातघर को बीडीए ने जमींदोज कर दिया। बरातघर के ध्वस्तीकरण पर प्राधिकरण के पांच लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है। बीडीए वाजिद बेग से इस खर्च की वसूली करेगा। संयुक्त सचिव दीपक कुमार ने बताया कि ध्वस्तीकरण आदेश के बावजूद वाजिद बेग ने अनधिकृत निर्माण को नहीं हटाया।

कमिटमेंट / अंशु सिंह

बच्चो, नया साल आने वाला है। तुमने प्लानिंग शुरू कर दी होगी, इसे कैसे सेलिब्रेट करेंगे। नया साल तुम्हारे लिए कैसे बेहतर साबित हो, तुम्हारे क्या नए रेजॉल्यूशन हों। नए साल में तुम ऐसा नया क्या करो, जो तुम्हें खुशी मिले, सफलता की राह बने, जानो।

न्यू ईयर के लिए डिसाइड करो कुछ अलग रेजॉल्यूशन

बच्चो, नया साल आने ही वाला है। सभी इसकी कुछ न कुछ तैयारी में लगे हैं, ताकि नए साल का जश्न शानदार और यादगार बन सके। बच्चो, तुम सबने भी कुछ प्लानिंग की होंगी। बहुत कुछ सोचा होगा कि नए साल के स्वागत में क्या-क्या करेंगे? कहां पार्टी करेंगे, कहां घूमने जाएंगे, परिवार के अलावा दोस्तों के साथ मस्ती कैसे करेंगे? इतना ही नहीं, नए साल में क्या नया रिजॉल्यूशन लेंगे, इसके बारे में भी सोचा होगा। लेकिन ये सब तो आमतौर पर सभी करते हैं। तुम अलग क्या करोगे? ऐसा क्या करोगे, जो तुम्हारे लिए सिर्फ एक दिन या रात का जश्न न हो, बल्कि हर दिन, नए उत्साह और नई उम्मीद से भरा देखें। समस्याओं से कभी घबराएं नहीं। बेवजह गुस्सा न करें, बड़ों की सलाह मानकर आगे बढ़ें। तो बच्चों क्या तुम तैयार हो, ऐसा कुछ करने के लिए?

जरूरी है इरादों में दृढ़ता

कई बच्चे दोस्तों या बड़ों की देखा-देखी में रेजॉल्यूशन तो ले लेते हैं, लेकिन उसे पूरा करने के लिए जो दृढ़ता चाहिए, वो उनमें नहीं होती है। बच्चो, जब तुम कोई लक्ष्य बनाओ, कोई टारगेट फिक्स करो तो उसे पूरा करने के लिए मेहनत, आत्मविश्वास के साथ मन में दृढ़ता जरूर होनी चाहिए। नए साल में इस बात को ध्यान में रखो।

पहचानो अपनी खूबी

बच्चो, हर किसी में कोई न कोई खूबी जरूर होती है। तुम्हारे अंदर भी होगी। कई बार इस खूबी को पहचानने में देरी होती है। इसमें टीचर्स, पैरेंट्स, दोस्त या घर के बड़े हमारी मदद करते हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज गेंदबाज कुलदीप यादव को सभी जानते हैं। अपने चाचा को क्रिकेट खेलते देखकर, उनकी दिलचस्पी इस खेल में हुई। फिर पिता जी ने मोटिवेट किया कि वह पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट भी खेलें। कुलदीप, पेस बॉलर बनना चाहते थे। लेकिन जब पहली बार कोच के पास पहुंचे, तो उन्होंने उनके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचाना और स्पिन गेंदबाजी के लिए प्रेरित किया। पहले थोड़ा झटका लगा। लेकिन वे उन पर विश्वास कर आगे बढ़े और उनका फैसला सही साबित हुआ। बच्चो, नए साल में तुम भी अपने अंदर की खूबी को पहचानो, जैसे तुम्हारे भीतर सिंगिंग, पेंटिंग, डॉसिंग या राइटिंग का टैलेंट हो तो उसे संवारने का संकल्प ले सकते हो। साथ ही दूसरों की खूबियों से नया सीखने की भी कोशिश करो।

पैरेंट्स के साथ करो खुलकर बातें

बच्चों की एक आम शिकायत रहती है कि पैरेंट्स उन्हें अपने मन का करने नहीं देते। जरूरत से ज्यादा रोकते-टोकते हैं। उन पर भरोसा नहीं करते हैं। अकेले दोस्तों के साथ घूमने जाने या देर रात पार्टी करने से रोकते हैं। दरअसल, पैरेंट्स के ऐसा करने की वजह होती है। वे नहीं चाहते हैं कि तुम्हारे साथ कुछ गलत हो। तुम गलत संगत में पड़ो और फंसो। वे तुम्हें गुमराह होने से बचाना चाहते हैं। पैरेंट्स को तुम्हारी सुरक्षा की चिंता रहती है। बच्चो, इस बात को समझो कि पैरेंट्स अनुभवी होते हैं। उन्हें लोगों की परख होती है। इसलिए तुम्हें उनकी बातें माननी चाहिए। अपनी पसंद या नापसंद के बारे में उन्हें जरूर खुलकर बताओ। डरो नहीं और न संकोच करो। अपने पैरेंट्स से सलाह लेने में कोई हर्ज नहीं है। बात करने से हर प्रॉब्लम का सही सॉल्यूशन निकलता है।

मानो दोस्तों की सही सलाह

अच्छे दोस्त परिवार के सदस्य की तरह होते हैं, जो अच्छे और बुरे वक्त दोनों में हमें सपोर्ट करते हैं। हमारी खूबियों की सराहना करते हैं, गलत होने पर टोकने से भी पीछे भी नहीं रहते। दोस्तों को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि हमें बुरा लग सकता है, क्योंकि वे हमारे बारे में सिर्फ अच्छा और पॉजिटिव सोचते हैं। जैसे, सिक्स्थ की स्टूडेंट दीपक को जंक फूड के अलावा कुछ और पसंद ही नहीं आता था। इससे उसका वजन बढ़ने लगा। तब उसके दोस्त अनुज ने उसे साइक्लिंग और योगा करने की सलाह दी। दीपक ने उसकी बात मानी। कुछ समय बाद ही असर दिखने लगा। कहने का मतलब है कि जब हम अपनों की बातों को पॉजिटिव तरीके से लेते हैं, तो बदलाव भी हमारे हित में होते हैं। *

ऐसे सेलिब्रेट करो न्यू ईयर

बच्चो, अगर तुम सोच नहीं पा रहे हो कि न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करें, तो तुम हमारे सुझाव अमल में ला सकते हो-

- घर पर मजेदार एक्टिविटीज कर सकते हो। तुम ग्लोस्टिक डांस पार्टी के अलावा डीआईवाई क्राफ्ट्स (टोपी, पॉपर्स), स्पार्कलिंग साइडर के साथ आधी रात का नकली काउंटडाउन करके नए साल का जश्न मना सकते हो।
- बैकयार्ड में गेम्स और खाने के साथ बोनफायर अरेंज कर सकते हो।
- परिवार के साथ किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते हो। अपने शहर के मॉल में बच्चों के लिए बने जोन में म्यूजिक के साथ थीम वाले इवेंट में शामिल हो सकते हो, तुम्हें बहुत मजा आएगा।
- ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थलों की सैर कर सकते हो। एडवेंचर पार्क भी जा सकते हो।

टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स

बीते साल की अचीवमेंट्स नए साल से नई आशाएं

बच्चो, बीत रहा साल हमें कुछ अचीवमेंट्स देकर जाता है, नया साल हमारे भीतर नई आशाएं जगाता है। टीवी के दो चाइल्ड आर्टिस्ट एकदास खान और श्रेया पटेल, बालभूमि को बता रहे हैं कि बीत रहे साल 2025 में उन्होंने क्या अचीव किया, नए साल 2026 से उन्हें क्या आशाएं हैं? साथ ही ये दोनों यह भी बात रहे हैं, न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करेंगे, इनके क्या रेजॉल्यूशंस हैं।

मेरे लिए यह साल सुपर-डुपर रहा : अकदास खान

सन नियो चैनल के शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में अकदास खान, सप्पू का किरदार निभा रहा है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। साल 2025 में इस शो का हिस्सा बनकर अकदास बहुत खुश है। वह बताता है, 'यह साल मेरे लिए सुपर-डुपर रहा। मुझे इतने बड़े शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में सप्पू का रोल प्ले करने का मौका मिला। मैंने इस साल कैमरे को फेस करना, अच्छे से डायलॉग बोलना और सीन में सही रिएक्शन देना सीखा।' नए साल 2026 के अपने रेजॉल्यूशन के बारे में अकदास बताता है, 'आने वाले साल में मेरा रेजॉल्यूशन है कि मैं सप्पू के रोल को और भी अच्छे से एक्ट करूं। मैं नए साल में डांस, गाना और कुछ एडवेंचर वाली स्किल्स भी सीखूंगा। उम्मीद करता हूं कि नए साल में मुझे बड़े और अच्छे रोल्स मिलेंगे।' न्यू ईयर सेलिब्रेशन की प्लानिंग के बारे में भी अकदास बहुत उत्साहित होकर बताता है, 'इस बार मैं अपने शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' के सभी दोस्तों के लिए छोटे-छोटे न्यू ईयर कार्ड्स बनाऊंगा। मम्मा और मैं घर पर गुब्बारे और छोटी-छोटी लाइट्स भी लगाएंगे। अबकी न्यू ईयर पर घर में और सेट पर हम खूब एंज्वॉय करने वाले हैं। सभी को मेरी तरफ से हैप्पी न्यू ईयर!' *

नए साल में निखारूंगी अपनी एक्टिंग स्किल : श्रेया पटेल

इन दिनों श्रेया पटेल सोनी सब के धार्मिक सीरियल 'गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय' में सिद्धि का किरदार निभा रही है। उसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। श्रेया के लिए साल 2025 बेहद खास रहा। वह मुस्कुराते हुए बताती है, 'मेरे लिए इस साल की शुरुआत सोनी सब के शो 'तेनाली रामा सीजन-2' से हुई। मुझे खुशी है, इस शो में दर्शकों को मेरा रोल, मेरी एक्टिंग पसंद आई। साल बीतते-बीतते मुझे नया शो 'गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय' मिल गया, जिसमें मैं सिद्धि का रोल प्ले कर रही हूं। मुझे इस साल नए-नए प्रोजेक्ट्स मिले और खुद को प्रूव करने का अवसर भी मिला। इस लिहाज से देखा जाए तो साल 2025 मेरे लिए बहुत ही खास रहा।' आने वाले साल 2026 से श्रेया को कई उम्मीदें हैं। उसने कुछ गोल्स भी सेट किए हैं, वह बताती है, 'मैं उम्मीद करती हूं, नए साल में मुझे अच्छे शोज में लीड रोल निभाने का मौका मिलेगा। नए साल में मैं एक्टिंग कॉलेज से जुड़कर अपना एक्टिंग स्किल निखारना चाहती हूं।' श्रेया न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करती है, पूछने पर बताती है, 'नए साल की शुरुआत मैं अपने फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स को न्यू ईयर विश करके करती हूं। फैमिली के साथ पार्टी करती हूं। बालभूमि के नन्हे दोस्तों को मेरी ओर से नए साल की गुड विशेज।' *

प्रस्तुति : बालभूमि फीचर्स

कविता / राजा चौरसिया

स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा

जा रहा पुराना साल छोड़कर
यादों का अनमोल पिटारा।
हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा।
नई उमंगें, नई तरंगें
और चेहरे खिले हुए हैं।
प्रिय बधाइयों, उपहारों के
सबको अवसर मिले हुए हैं।
नजरें तो हैं वही पुरानी
किंतु नया सब ओर नजारा।

हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा।
गीत देश के भी गाएंगे
इसको भूल नहीं पाएंगे।
बारह माह सफलताओं का
मनचाहा उत्सव मनाएंगे।
नई सोच की पटरी पर ही
दौड़ेगा उत्साह हमारा।
हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नववर्ष तुम्हारा।

कहानी
रेनू सैनी

स्पर्श की जैसे सफाई से परहेज था। उसके मम्मी-पापा और दोस्त उसे समझाते, लेकिन उस पर कोई असर नहीं होता। स्पर्श का मौसेरा भाई पंकज, क्रिसमस की छुट्टियों में जब उसके पास आया, तो उसने स्पर्श को सुधारने की सोची। पंकज क्या स्पर्श को सुधार सका?

नववर्ष का संकल्प

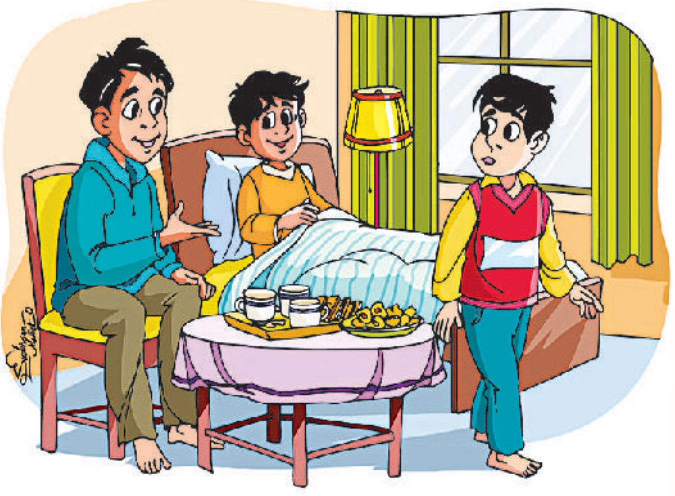

निर्मला मैडम सेवेंथ क्लास के बच्चों को हेल्थ से जुड़ी उपयोगी जानकारी दे रही थीं। उन्होंने बच्चों को बदलते मौसम में फैल रही बीमारियों जैसे वायरल फीवर, टाइफाइड और लूज मोशन के बारे में बताया। बच्चे उनकी बातें ध्यान से सुन रहे थे, लेकिन स्पर्श का ध्यान कहीं और था। वैसे तो वह होशियार बच्चा है, लेकिन उसमें एक बुरी आदत है कि सफाई से दूर रहता है। वह कभी भी ढंग से हाथ नहीं धोता है। यहां तक कि खाना खाने से पहले भी नहीं। स्पर्श के माता-पिता और दोस्त उसे हर तरह से समझा कर थक चुके हैं, किंतु वह किसी की भी नहीं सुनता। उसके कपड़े भी अकसर मैले रहते हैं। यहां तक कि उसकी किताबें, कॉपियां फटी मिलती हैं। पूछने पर उसका जवाब होता है, 'मेरी चीजें मैली या फटी इसलिए होती हैं, क्योंकि मैं इनका सबसे ज्यादा प्रयोग करता हूं। तुम लोगों की तरह नहीं कि हर चीज को शो-पीस बनाकर रखूं।' ऐसे ही किसी के हाथ धोने के लिए कहने पर उसका जवाब होता, 'हाथ तो वही रहेंगे न, धोएं या न धोएं, क्या फर्क पड़ता है?'

स्पर्श की इन बे-सिर पैर की बातों से सभी चिढ़ते हैं। इस बार क्रिसमस की छुट्टियों में स्पर्श की मौसी का बेटा पंकज कुछ दिनों के लिए आया। पंकज उससे बड़ा है। वह बहुत समझदार भी है। स्पर्श के कई दोस्तों से पंकज मिला, उसे इनसे स्पर्श का सफाई से न रहने की आदत के बारे पता चला। पंकज ने मन ही मन नववर्ष से पहले उसकी इस आदत को छुड़ाने का निश्चय किया।

स्पर्श का दोस्त अमन बीमार चल रहा था। पंकज कुछ सोचकर स्पर्श के साथ अमन से मिलने उसके घर गया। दोनों को देखकर अमन को खुशी हुई। वह बोला, 'अच्छा हुआ, तुम लोग आ गए। मेरा मन बहल जाएगा। वैसे अब मैं बिल्कुल ठीक हूं। खांसी-जुकाम हो गया था।'

तभी अमन की मम्मी वहां आकर बोलीं, 'मैं चाय-नाश्ता लेकर आती हूं अभी।'

यह सुनकर पंकज ने स्पर्श से कहा, 'आंटी, रसोई में चाय-नाश्ता तैयार कर रही हैं। तुम जाकर ले आओ।'

स्पर्श तुरंत रसोईघर की ओर चला गया। कुछ देर बाद वह गर्म-गर्म चाय-नाश्ता लेकर आया। स्पर्श नाश्ता शुरू करने वाला था कि अमन ने टोका, 'अरे...अरे... यह क्या कर रहे हो? पहले जाकर अच्छे से हाथ साफ करके आओ।' अमन ने यह भी बताया, 'मेरे एक रिश्तेदार का बेटा इन दिनों बहुत बीमार चल रहा है। उसे टाइफाइड हो गया है। डॉक्टरों ने बोला है कि उसे ठीक होने में समय लगेगा। वह भी बिना हाथ साफ करे चीजें खा लेता है। इसलिए गंदगी के कीटाणुओं ने उसे अपना शिकार बना लिया है। उसके बोर्ड के एग्जाम सिर पर हैं। ऐसे में वह बीमार हो गया है। उसकी पढ़ाई का हर्जा हो रहा है। पता नहीं वह बोर्ड के एग्जाम दे भी पाएगा या नहीं?' अमन आगे बोला, 'बीमार पड़ने से अच्छा है कि पहले से ही साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए।'

अमन की बातें सुनकर स्पर्श घबरा सा गया। वह वॉश बेसिन की ओर भागा। जैसे ही वह हाथ धोने गया, पंकज और अमन एक-दूसरे की ओर देखकर मुस्कुराए। दरअसल, पंकज ने ही स्पर्श को जान बूझकर नाश्ता लेने के लिए कमरे से बाहर भेजा था। उसके कमरे से जाते ही पंकज ने अमन को झूठ-मूठ की कहानी बनाने के लिए कहा था। इस कहानी ने अपना काम कर दिखाया।

हाथ धोकर आने के बाद स्पर्श चाय-नाश्ता करते हुए बोला, 'भाई, मेरा तो आने वाले नए साल में यही संकल्प है कि हमेशा कुछ खाने-पीने से पहले अच्छी तरह हाथ धोऊंगा।'

स्पर्श की बात सुनकर पंकज बोला, 'भाई तुम्हारा यह संकल्प तो सारे संकल्पों पर भारी है, क्योंकि स्वच्छता है तो स्वास्थ्य है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क होता है। इस तरह तो तुम हर जगह बाजी मार ले जाओगे।'

पंकज की बात पर अमन और स्पर्श हंस पड़े। कमरे में नाश्ते की खुशबू फैल चुकी थी। तीनों नाश्ते का आनंद लेते हुए यह प्लान करने लगे कि नववर्ष कैसे सेलिब्रेट करेंगे? *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

प्रेरित करती रोचक कहानियां

बच्चो, तुम्हारे लिए बाल कहानियों का एक संग्रह 'शेर की मूंछ के बाल' कुछ समय पहले छपकर आया है। रेखा शाह आरबी द्वारा लिखी गई इस किताब में चौदह मनोरंजक और शिक्षाप्रद कहानियां संकलित हैं। संग्रह की कहानियों में इंसानी पात्र तो हैं ही, कई कहानियों में जंगल के जीव-जंतुओं को पात्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है। किताब की शीर्षक वाली कहानी 'शेर की मूंछ के बाल' मनोरंजक होने के साथ-साथ तुम्हें अपनी गलती का एहसास कर उसे सुधारने की सीख भी देती है। 'टूटी गुल्लक' बहुत ही प्यारी कहानी है, जिसमें तुम पढ़ोगे कि गोलू किस तरह अपने दोस्त राजू की मदद करता है। यह कहानी तुम्हें सच्ची दोस्ती का महत्व समझाएगी। 'गुल्लू का बर्थ-डे' शीर्षक कहानी में गुल्लू अपना बर्थ-डे कुछ इस तरह मनाता है कि उसके सभी दोस्त उससे इंस्पायर होकर तय करते हैं कि वे भी अपना बर्थ-डे ऐसे ही मनाएंगे। यह कहानी तुम्हें अपनी खुशियां जरूरतमंदों के साथ बांटने पर मिलने वाली खुशी का एहसास कराएगी। 'पिंकी का सपना' कहानी में तुम पढ़ोगे कि पिंकी ने किस तरह दादाजी के साथ मिलकर अपने सपने को सच किया। यह कहानी तुममें प्रकृति-प्रेम और पर्यावरण की रक्षा के भाव जगाएगी। इन कहानियों के अलावा 'तोताराम को मिली सीख', 'साबू और शहद', 'तोलू मोलू और करेला', 'पक्की वाली दोस्ती', 'लोमड़ी की चांद ट्रिप टूरिस्ट एजेंसी' कहानियां भी तुम्हें खूब पसंद आएंगी। साथ ही ये कहानियां तुम्हें नैतिक और व्यावहारिक ज्ञान भी देंगी। *

किताबः शेर की मूंछ के बाल (बाल कहानी संग्रह), **लेखिकाः** रेखा शाह आरबी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** साहित्यांजलि प्रकाशन, प्रयागराज

जीके क्विज-185

1. भारत के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की रचना किसने की?
2. ग्लोबल फैमिली डे कब मनाया जाता है?
3. हाल ही में फेमस फुटबॉलर लियोनेल मेसी की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण कहां हुआ है?
4. किस देश ने जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 जीता है?
5. टाइम मैगजीन द्वारा किसे टाइम एंटरटेनर ऑफ द ईयर 2025 चुना गया है?
6. हैदराबाद किस नदी के किनारे बसा है?
7. नवंबर महीने के लिए आईसीसी वूमेन प्लेयर ऑफ द मंथ किसे चुना गया है?
8. भारत के किस राज्य की राजभाषा अंग्रेजी है?
9. भारत के किस राज्य में लोकसभा की सर्वाधिक सीटें हैं?
10. 'भारत भारती' नामक पुस्तक के रचयिता कौन हैं?

बच्चों, जीके क्विज-185 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-184 का उत्तर : 1.दीपावली, 2.जसप्रीत बुमराह, 3.खान अब्दुल गफ्फार खान, 4.गुजरात, 5.माउंट बेटन, 6.ओडिशा, 7.क्षिप्रा नदी, 8.22 दिसंबर, 9.विनेश फोगाट, 10.पत्रकारिता

जीके क्विज-184 का सही उत्तर देने वाले : साकेत-दुर्ग, कबीर-हिसार, उर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, चीनू-रायगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, नीटू-सीतापुर, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-रोहतक

रंग भरो-192

रंग भरो-192 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग

दीक्षांत, रायपुर

दिया, रोहतक

आशना, जांजगीर

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

पयोनिधि, अंबिकापुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, अंकिता-ईमेल से, अंतरा-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, कोमल-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, अमन-जांजगीर, कुसुम-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, रितेश-बलौदा बाजार

रंग भरो 193

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में कुछ बच्चे न्यू ईयर सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग ने बताई विभाग की उपलब्धियां और योजनाएं

34.42 लाख किसानों को 21 हजार 493 करोड़ का ऋण वितरित, किसानों को घर-घर पहुंचाएंगे खाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डबल इंजन सरकार की परिकल्पना जहां केंद्र और राज्य एक साझा लक्ष्य, साझा गति और साझा परिणाम के साथ काम करते हैं, आज मध्यप्रदेश में जमीन पर साकार रूप ले रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सक्षम नेतृत्व में मप्र ने बीते दो वर्षों में सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

यह बात सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को अपेक्स बैंक समन्वय भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में कही। मंत्री सारंग ने सहकारिता विभाग की उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि सहकारिता सरकार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 34.42 लाख किसानों को 21,493 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया गया। जो गत वर्ष की तुलना में लगभग 1,550 करोड़ रुपए अधिक है। वर्ष 2025-26 के लिए राज्य शासन द्वारा 694 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि नवीन पैक्स, दुग्ध एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन, पैक्स के कम्प्यूटरीकरण से किसानों को पारदर्शी और तकनीक आधारित सेवाएं दी जा रही हैं।

युवा सशक्तिकरण और किसान-ग्रामीणों के लिए सहकारी क्रांति ले रही साकार रूप

जानकारी देते मंत्री सारंग।

युवा सहभागिता एवं रोजगारोन्मुख सहकारिता

सारंग ने बताया कि आगामी वर्षों में सहकारिता के विस्तार के लिए ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक ग्राम पंचायत तथा नगरीय क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड में युवाओं की सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों के उपयोग से छोटे उद्योग, खेल, पर्यटन और व्यायाम आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

विदिशा, शाजापुर, जबलपुर में घर-घर खाद पहुंचाने शुरू होगी योजना

मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि मध्य प्रदेश में अब जल्द ही किसानों को घर बैठे गैस सिलेंडर की तरह खाद भी मिलेगी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत तीन जिलों विदिशा, शाजापुर और जबलपुर को चुना है। सारंग ने बताया कि यह योजना किसानों को खेती के लिए आवश्यक खाद आसानी से उपलब्ध कराने और उनकी फसलों को लाभकारी बनाने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है।

मोहन सरकार के नेतृत्व में खेल व सहकारिता में हुई अभूतपूर्व प्रगति

'एमपी चीता ब्रॉण्ड बीज' देश भर में मप्र का नाम करेगा रोशन : मंत्री विश्वास

सहकारिता मंत्री सारंग ने बताया कि मोहन सरकार बीज की दिशा में काम कर रही है। बीज संघ को उन्नत स्तर पर पहुंचाने का प्रयास है। बीज संघ के माध्यम से 'एमपी चीता ब्रॉण्ड बीज' के नाम से नया ब्रॉण्ड लांच किया जा रहा है। पैक्स के माध्यम से चीता बीज का वितरण किया जाएगा। 'एमपी चीता ब्रॉण्ड बीज' देश भर आने वाले दिनों में मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेगा।

डिफॉल्टर किसानों के लिए ओटीएस की योजना

सारंग ने कहा कि कमजोर जिला सहकारी बैंकों को आर्थिक सहायता देकर 0 प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। डिफॉल्टर किसानों को मुख्यधारा में एकमुश्त समझौता योजना तथा आर्थिक अनियमितताओं से प्रभावित किसानों को जांच अवधि में राहत देने की व्यवस्था के लिए ओटीएस न्याय योजना प्रस्तावित है।

राजस्व मंत्री वर्मा ने बताई विभाग की उपलब्धियां

जमीनों के पंद्रह करोड़ दस्तावेज किए डिजिटल, डायवर्जन आसान

विभाग की उपलब्धियां बताते मंत्री वर्मा।

तहसील में जमीनों के रिकार्ड को डिजिटल किया गया है, जिससे दस्तावेजों के मिलान में दिक्कत खत्म हो गई है। प्रदेश में अब तक जमीनों से जुड़े 15 करोड़ दस्तावेजों को डिजिटाइज्ड किया गया है। इधर खेती की जमीन पर आवासीय और व्यवसायिक डायवर्जन कराने की प्रक्रिया को आसान किया जाएगा, जिससे आम लोगों को आसानी होगी।

यह बात बुधवार को राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में मोहन सरकार के दो साल पूरे होने पर उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कही। राजस्व मंत्री ने बताया कि तहसीलों में चल रहे प्रकरणों को टाइम लिमिट में निपटाने के लिए न्यायिक और गैर-न्यायिक कामों के लिए अलग-अलग अधिकारियों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि साइबर तहसील में 29 फरवरी 2024 से नामांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस और फेसलेस कर दी गई है। अब 20 दिनों के अंदर नामांतरण कर आदेश वाट्सएप एवं ई-मेल से उपलब्ध कराया जा रहा है। साइबर तहसील के माध्यम से अब तक 6 लाख 26 हजार से अधिक नामांतरण प्रकरणों का निराकरण किया गया है, आंशिक खसरा प्रक्रिया को भी ऑनलाइन किया गया है, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 8 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। मंत्री ने बताया कि गांवों में रहने वाले लोगों को भू-अधिकार पत्र प्रदान किए गए हैं। अब तक 39 लाख 60 हजार से अधिक लोगों को स्वामित्व अधिकार पत्र दिए गए हैं। इस तरह प्रदेश में योजना का 94 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। मंत्री ने कहा कि ड्रोन और जियो फेंस तकनीक से फसल गिरदावरी कराई जा रही है। जिससे किसानों को वास्तविक नुकसान का लाभ समय पर मिल सकेगा। वर्ष 2025-26 में अब तक बाढ़ से प्रभावित लोगों को 2 हजार 68 करोड़ 99 लाख रुपए की सहायता राशि दी गई है।

खाद्य मंत्री राजपूत बोले, दो वर्षों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पारदर्शिता और तकनीक पर फोकस

80 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों एवं दिव्यांगजनों सहित लगभग 15 लाख हितग्राहियों को ई-केवाईसी से छूट

खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया में काफी प्रगति हुई है। दो वर्ष में लगभग 1 करोड़ 70 लाख से अधिक हितग्राहियों का ई-केवाईसी सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। अब तक 4 करोड़ 97 लाख हितग्राहियों के ई-केवाईसी कराए जा चुके हैं। इस तरह से अब तक लगभग 93 प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण हो चुके हैं। बायोमीट्रिक के साथ-साथ फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से भी ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों, 80 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों एवं दिव्यांगजनों सहित लगभग 15 लाख हितग्राहियों को ई-केवाईसी से छूट प्रदान की गई है। साथ ही 14 लाख नए पात्र हितग्राहियों को जोड़कर पात्रता पर्ची जारी की गई है। खाद्य मंत्री राजपूत बुधवार को होटल पलाश में विभाग की 2 वर्ष की उपलब्धियों को लेकर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, उपभोक्ता संरक्षण, किसान हित तथा गैस आपूर्ति के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की गई हैं। विभाग की ओर से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है।

विभाग की उपलब्धियों की जानकारी देते मंत्री राजपूत।

22 हजार 800 करोड़ रुपए मूल्य का निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया

खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रदेश के 5 करोड़ 25 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 22 हजार 800 करोड़ रुपए मूल्य का निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया गया। राशन वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम लागू किया गया।

वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना में निःशुल्क राशन

खाद्य मंत्री राजपूत ने पत्रकारों को बताया कि वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना के तहत हर महीने औसतन 39 हजार परिवार अन्य राज्यों में तथा लगभग 6 हजार परिवार अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में निःशुल्क राशन प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा लगभग 16 लाख परिवार प्रतिमाह अंतर-जिला पोर्टेबिलिटी का लाभ ले रहे हैं। वहीं जनजाति एवं पहुंचविहीन 89 गांवों में आपका राशन आपके द्वार योजना के माध्यम से घर-घर राशन पहुंचाया जा रहा है। राज्य स्तरीय कंट्रोल कमांड सेंटर से निगरानी भी की जा रही है। एलपीजी आपूर्ति के क्षेत्र में उज्ज्वला एवं गैर-उज्ज्वला योजनाओं में प्रदेश की बहनों की 6 करोड़ 17 लाख गैस रिफिल कराई गईं।

वेयरहाउसिंग को सुदृढ़ करने तीन एप विकसित

मंत्री राजपूत ने बताया कि वेयरहाउसिंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन की ओर से नमी मापक, फ्यूमिगेशन एवं निरीक्षण से संबंधित तीन मोबाइल ऐप विकसित किए गए हैं, जिससे अनाज भंडारण की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। समर्थन मूल्य पर गेहूं एवं धान की खरीदी की गई। लगभग 28 लाख किसानों से फसल खरीदी कर 51 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। गेहूं की खरीदी में 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देकर 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. मालवीय के जन्मोत्सव में की सहभागिता

अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष में महामना पं. मदनमोहन मालवीय ने राष्ट्र को दी दिशा

भिण्ड जिले के ग्राम टोला (रावतपुरा सरकार) में जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत की आजादी के कालखंड में राष्ट्र एवं समाज की जड़ों से जुड़ने के लिए पं. मदनमोहन मालवीय की ओर से किए गए कार्य अद्भुत हैं। उन्हें महामना की उपाधि मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भिण्ड जिले के ग्राम टोला (रावतपुरा सरकार) में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महामना पं. मालवीय ने अंग्रेजों के विरुद्ध लंबे संघर्ष में राष्ट्र को एक दिशा प्रदान की।

महामना ने राष्ट्र के उत्थान के लिए गंगा के किनारे विश्वविद्यालय की स्थापना कर पवित्र कार्य किया। इसके लिए उन्होंने अखिल भारतीय भ्रमण कर राशि भी जुटाई थी। आज बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य एवं विधार्थी दुनिया में ख्याति प्राप्त कर रहे हैं। इसी प्रकार रावतपुरा विश्वविद्यालय में भी विद्यार्थियों को नीति और संस्कार आधारित शिक्षा प्रदान की जा रही है।

सरकार ने किया विरासत का संरक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने विरासत का संरक्षण करते हुए विश्वविद्यालयों के कुलपति को कुलगुरु का नाम दिया है। गुरु हमारे लिए अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले होते हैं। भारत ने अपने ज्ञान के आधार पर विश्व गुरु के रूप में दुनिया को दिशा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि रावतपुरा सरकार दरबार में आज भगवान भोलेनाथ और महावीर बजरंगबली के भव्य-दिव्य दर्शन का सौभाग्य मिला है। ईश्वर की कृपा से ही जीवन में साधु-संतों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस अवसर पर अपने संबोधन में संत रावतपुरा सरकार ने कहा कि महामना पंडित मालवीय की प्रेरणा से हमारी संस्था शिक्षा और सेवा के कार्यों में निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला, डॉ. महेंद्र सिंह, पूर्व सांसद अशोक अर्गल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सुशासन दिवस : कर्मठ अधिकारियों को किया सम्मानित, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया ऐलान

87 शहरी निकायों में एक-एक सार्वजनिक स्थल का नामकरण भारत रत्न वाजपेयी के नाम पर होगा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी राजनेता बताया। उन्होंने कहा अटल जी का जीवन ईमानदारी, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-केंद्रित शासन का प्रतीक रहा। मुख्यमंत्री ने भारत रत्न वाजपेयी को स्मरण करते हुए कहा कि वे अपने विचारों में जितने दृढ़ थे, उतने ही अपने मूल्यों और सिद्धांतों में भी अडिग थे। मुख्यमंत्री पंचकूला में राज्यस्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भले ही सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन अटल जी हमेशा अपने आदर्शों पर अटल रहे। उनके जीवन को निरंतर प्रेरणा का स्रोत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वाजपेयी की जीवन यात्रा राष्ट्र को मूल्यों, ईमानदारी और सिद्धांतों पर आधारित नेतृत्व का महत्व सिखाती है।

सामुदायिक भवन, पार्क, वाचनालय, सभागार, वृद्धाश्रम और व्यावसायिक स्थल चिन्हित, अटल जी की प्रतिमा भी लगेंगी

सुशासन दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य के सभी 87 शहरी स्थानीय निकायों में कम से कम एक सार्वजनिक स्थल का नामकरण अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर किया जाएगा। उनमें अटल प्रतिमाएं भी स्थापित की जाएंगी, ताकि उनके लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता और पारदर्शी शासन के आदर्श समाज का मार्गदर्शन करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी निकायों में एक ऐसे सामुदायिक भवन, पार्क, वाचनालय, सभागार, वृद्धाश्रम या व्यावसायिक स्थल को चिन्हित कर लिया गया है और अगले 6 माह में अटल की स्मृति में इस फैसले को लागू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभागों को 'डिजिटल हरियाणा' के सपने को हकीकत में बदलने में दिए गए उनके योगदान के लिए 9 गुड गवर्नेंस अवॉर्ड प्रदान किए।

फतेहगढ़ साहिब गुरुद्वारे में माथा टेका

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में गुरुद्वारे में पहुंचकर माथा टेका। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सीएम ने कहा कि सरकार गुरुओं की शिक्षाओं की शिक्षाओं का प्रसार कर रही है।

महिला और उसके मासूम बच्चे की गुमशुदगी मामले में पुलिस का खुलासा

जालिम पति ने पत्नी का गला घोंटा, बच्चे को तालाब में फेंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोंडागांव

जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिरपुर से लापता महिला और उसके तीन वर्षीय मासूम बच्चे की गुमशुदगी के मामले में पुलिस ने ऐसा खुलासा किया है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यह मामला कोई साधारण गुमशुदगी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी दोहरे हत्याकांड की साजिश निकली, जिसका मास्टरमाइंड खुद मृतका का पति था।

फरसगांव पुलिस के अनुसार, ग्राम सिरपुर निवासी भगवती सेठिया और उसका तीन वर्षीय बेटा वात्सल्य सेठिया 22 नवंबर को अचानक लापता हो गए थे। परिजनों ने पहले स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो 6 दिसंबर को मृतका के भाई आमदेव महावीर ने फरसगांव थाना पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान साइबर सेल और फरसगांव पुलिस की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पाया कि भगवती सेठिया की आखिरी बातचीत उसके पति रोहित सेठिया से हुई थी। इसके बाद महिला का मोबाइल बंद हो गया। इसी बिंदु पर पुलिस का संदेह गहराया और पति की तलाश शुरू की गई] लेकिन तब तक आरोपी रोहित सेठिया मोबाइल बंद कर फरार हो चुका था।

तीनों अलग-अलग राज्यों में हुए थे फरार

एसडीओपी अभिनव उपाध्याय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पूछताछ और तकनीकी जांच में यह सामने आया कि रोहित सेठिया ने अपने दो दोस्तों मिथलेश मरकाम और नरेश पांडे के साथ मिलकर अपनी पत्नी और मासूम बेटे की हत्या की योजना बनाई। गिरफ्तारी की भनक लगते ही तीनों अलग-अलग राज्यों की ओर फरार हो गए। कोई करीमनगर, कोई हरिद्वार और कोई कोलकाता। पुलिस की लगातार दबिश के बाद 13 दिसंबर को पहले मिथलेश को पकड़ा गया, फिर उसकी निशानदेही पर नरेश और रोहित को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रेम प्रसंग के चलते दिया वारदात को अंजाम

पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि रोहित सेठिया का बसंती प्रधान नामक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी कारण उसने पत्नी और बच्चे को रास्ते से हटाने की साजिश रची। आरोपी पत्नी और बच्चे को विशाखापत्तनम घुमाने के बहाने घर से ले गया और ओडिशा मार्ग पर सुनसान जगह में कार के भीतर ही गला घोंटकर दोनों की हत्या कर दी। महिला के शव को पत्थर से बांधकर इंद्रावती नदी में फेंक दिया गया, जबकि मासूम बच्चे की लाश को पास के एक तालाब में ठिकाने लगाया गया।

कुल सात आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

23 दिसंबर को ओडिशा के नवरंगपुर जिले के कुसुमगुड़ा क्षेत्र में इंद्रावती नदी से महिला के शव की शिनाख्त हुई। पुलिस ने मुख्य आरोपी रोहित सेठिया, उसके दोस्त मिथलेश मरकाम और नरेश पांडे के अलावा हत्या में सहयोग करने के आरोप में रोहित के पिता रामचंद सेठिया, मां उर्मिला सेठिया, मामा प्रभु पांडे और प्रेमिका बसंती प्रधान को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कुल सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि विवेचना अभी जारी है। इधर इस जघन्य हत्याकांड को लेकर मृतका के परिजनों और कलार समाज में भारी आक्रोश है। परिजनों ने सभी आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। साथ ही शासन-प्रशासन से आरोपियों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि ऐसे घिनौने अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई ऐसा अपराध करने की हिम्मत न कर सके।

जवान ने रायफल से खुद को गोली मारी, मौत

नारायणपुर। जिले के थाना कोहकमेटा एरिया के आरक्षक नंबर 428 पिंगल जुरी ने सुबह अपनी रायफल से खुद को गोली मार ली। उसके सिर में गंभीर चोट लगी है। फायरिंग की आवाज सुनकर अन्य जवान मौके पर पहुंचे। जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही जवान की मृत्यु हो गई। आत्महत्या का कारण अभी तक मालूम नहीं चला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जवान ने ऐसा आत्मघाती कदम क्यों उठाया? इसे लेकर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। बता दें कि इसके पहले भी कई जवान अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर चुके हैं।

हादसे की जांच शुरू, खबर से क्षेत्र में शोक की लहर

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला पेंड्रा मरवाही

पुरानी बस्ती निवासी युवक की मथुरा-वृंदावन यात्रा से लौटते समय दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान आकाश रजक के रूप में हुई है, जो अपने परिजनों के साथ धार्मिक यात्रा पर गया हुआ था। वापसी के दौरान कटनी रेलवे स्टेशन पर वह ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, आकाश रजक 19 दिसंबर को अपने परिवार के साथ मथुरा-वृंदावन दर्शन के लिए रवाना हुआ था। यात्रा पूरी कर सभी लोग ट्रेन से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान कटनी रेलवे स्टेशन पर यह हृदयविदारक हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि स्टेशन परिसर में ट्रेन की चपेट में आने से आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्य तत्काल कटनी के लिए रवाना हो गए हैं। रेलवे पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की जा रही है तथा घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर इसे रेलवे हादसा माना जा रहा है, हालांकि विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चिंतन

रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए मिश्रित संकेत

बांग्लादेश की सबसे मजबूत राजनीतिक पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान आखिरकार 17 साल के वनवास के बाद स्वदेश लौट आए हैं। उनका लौटना सीधे राजनीति में उनकी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। रहमान 12 फरवरी को बांग्लादेश में होने वाले आम चुनावों में भाग लेंगे। उन्हें बीएनपी में पीएम पद का दावेदार भी माना जा रहा है। बता दें कि रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए एक मिश्रित संकेत माना जा रहा है। एक ओर, उनकी वापसी से बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिल सकती है, जो भारत के हित में होगी, क्योंकि उन्होंने वतन लौटते ही कहा कि उनकी विदेश नीति बांग्लादेश के हितों को प्राथमिकता देगी, जो भारत के साथ संबंधों में एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। हालांकि संकेत यह भी मिल रहे हैं कि रहमान की वापसी से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के प्रभाव में वृद्धि हो सकती है, जो भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। जमात-ए-इस्लामी के साथ रहमान के गठबंधन से भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव और बढ़ सकता है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है, जो भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि क्या होगा, यह सब तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन भारत को हर हाल में चौकन्ना रहना होगा और पड़ोसी देश में हो रही हलचलों पर कड़ी नजर रखनी होगी। बता दें कि 2008 में जब रहमान पर भ्रष्टाचार और अन्य आरोप लगे, तो वह लंदन चले गए थे। शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अदालतों ने उन्हें बरी कर दिया, जिससे उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ है। इसे भारत के नजरिये से देखें तो बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के हटने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ाई हैं, जबकि भारत से दूरी बनाई है। अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं और कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। रहमान ने पहले भारत-विरोधी बयान दिए हैं, लेकिन हाल के संकेत सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा है, न दिल्ली, न इस्लामाबाद, बांग्लादेश पहले। भारत ने बीएनपी नेतृत्व से बातचीत की है और रहमान की मां खालिदा जिया की बीमारी पर सहानुभूति जताई है। भारत ने उनके इलाज की भी पेशकश की थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि बीएनपी सत्ता में आई तो भारत के साथ संतुलित संबंध रखेगी, क्योंकि उनके भाषण में पाकिस्तान से भी दूरी बनाए रखने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, भारत भी चाहता है कि बांग्लादेश में स्थिर और लोकतांत्रिक सरकार आए, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापार के लिए फायदेमंद हो। बीएनपी की जीत से विदेश नीति में बदलाव आ सकता है, जो भारत के हित में होगा। भारत शांतिपूर्ण चुनाव और स्थिर पड़ोसी की उम्मीद कर रहा है। आगे के दिन बांग्लादेश की दिशा तय करेंगे। इस समय परिस्थिति ऐसी है कि भले बीएनपी के भारत के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हों, लेकिन मौजूदा वक्त में बीएनपी को ही भारत अधिक उदार और लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देख रहा है। अवामी लीग का पत्ता पहले ही काटा जा चुका है और ऐसे में भारत को उम्मीद होगी कि रहमान की वापसी से बीएनपी कार्यकर्ताओं में जोश आएगा और पार्टी अगली सरकार बनाएगी। यहां भारत के लिए स्थिति ऐसी है कि उसे दो बुरे में से एक कम बुरा चुनना होगा।

दिव्य कला मेला

विवेक शुक्ला

दिव्यांगजनों की प्रतिभा व रचनात्मकता का उत्सव

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला 2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है। इसके साथ ही, अपने पास ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति को देखकर इनमें जोश आता, अवरोधों को पार करने का। दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है। दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। ऐसे आयोजन विकलांगता के प्रति जागरूकता फैलाते हैं, जो शिक्षा और रोजगार नीतियों में सुधार लाते हैं। उदाहरणस्वरूप, देश में पिछले दशक में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण और योजनाएं बढ़ी हैं, और मेलों जैसे प्लेटफॉर्म इन योजनाओं का प्रचार करते हैं। दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं, राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक है, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है।

यह मेला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है। इन कलाकारों की सफलता ने यह साबित कर दिया कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। दिव्य कला मेला जैसे प्लेटफॉर्म इन सफलताओं को और बढ़ावा दे सकते हैं। इंडिया गेट में देशभर से आए दिव्यांगजनों को प्रेरणा मिलती रही नेताजी सुभाष चंद्र बोस से, जिनकी मूर्ति वहां ही स्थापित हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

एफटीए

प्रमोद भार्गव

न्यूजीलैंड से निर्यात पर भारत की दृढ़ता

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है।

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। याद रहे अमेरिकी कृषि उत्पाद निर्यात पर भारत ने दो टूक मना कर दी थी। इस कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी का भारत ने बढ़ाए गए टैरिफ के रूप में सामना किया। इसकी भरपाई के लिए धैर्य से काम लेते हुए ब्रिटेन, ओमान और अब न्यूजीलैंड से अपनी शर्तों पर एफटीए करके किसान हितों को साधते हुए उल्लेखनीय समझौते कर लिए। इसी माह दिसंबर 2025 में भारत ने ओमान के साथ कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीपा) किया था और अब भारत की न्यूजीलैंड से चली 9 माह की वार्ता में न्यूजीलैंड से इस बात पर सहमति हो गई कि इस समझौते में कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत से 5000 अभियंता न्यूजीलैंड काम करने के लिए जाते हैं। बावजूद यह समझौता शून्य टैरिफ पर होना भारत के दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है।

इस समझौते से अमेरिका को इसलिए भी झटका लगा है, क्योंकि पांच साल पहले एशिया-प्रशांत व्यापार क्षेत्र के रूप में उभर रहे 15 देशों के व्यापार पटल आरईसीपी (रिजनल कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) का सदस्य बनने से भारत ने इनकार कर दिया था। इसका मुख्य कारण था कि न्यूजीलैंड के सस्ते दूध और कृषि उत्पादों का भारत में निर्यात रोकना। अब भारत ने न्यूजीलैंड से स्वतंत्र रूप में समझौता करके किसान हितों को साध लिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है। साथ ही न्यूजीलैंड सेब, कीवी और डेयरी क्षेत्र में भारतीय उत्पादकता को बढ़ाने में अपनी तकनीकि मदद भी देगा। अतएव यह समझौता पूर्ण रूप से भारतीय हितों को साधने वाला है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत माध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर टिकी रही है, जिनमें से एक न्यूजीलैंड भी रहा है। अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते की बात चली थी। इस समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल थे। भारत

सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया था कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है। इस मनाही के बाद अमेरिका ने भारत पर अनर्गल टैरिफ संबंधी शर्तें थोपना शुरू कर दी थीं। भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। यह केवल भारत में ही नहीं विश्व में सबसे बड़े ग्रामीण कार्यक्रमों में से एक है। इसी की बदौलत भारतीय डेयरी उद्योग का चेहरा बदला और लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों की आर्थिकी में क्रांतिकारी बदलाव आया। दरअसल, फिरंगी हुकूमत के दौरान पोल्सन नाम की ब्रिटिश कंपनी का इस क्षेत्र का दूध खरीदने पर एकाधिकार था। कंपनी दुग्ध उत्पादकों का लगातार शोषण कर रही थी। इस शोषण की शिकायत किसानों ने सरदार पटेल से की। पटेल गोधन, गोरस और गोदान की हिंदू जीवन शैली के अनुयायी थे। पटेल शोषण की जानकारी से बेचैन हुए और लौहपुरुष के अवतार में आ गए, उन्होंने तत्काल कंपनी को दूध बेचने से मना कर दिया। उनका मानना था कि जब कंपनी को दूध मिलेगा ही नहीं, तो उसे किसानों की शर्तें मानने को मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही पटेल ने सभी किसानों को मिलकर सहकारी संस्था बनाकर स्वयं दूध और दूध के उत्पाद बेचने की सलाह दी। पटेल के इस सुझाव से किसान सहमत हो गए और अंग्रेजों को दूध न देने की चुनौती दे दी। बाद में 1946 में पटेल ने अपने भरोसे के साथ ही मोरारजी देसाई और त्रिभुवन दास पटेल की सहायता से भारत की पहली दुग्ध सहकारी संस्था की स्थापना की, इसे ही बाद में जिला सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ के नाम से जाना गया। 250 लीटर दूध का प्रतिदिन कारोबार करने वाली इसी संस्था को आज विश्वव्यापी संस्था 'अमूल' के नाम से जाना जाता है।

दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं। दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं। इसी दूध के बाजार पर अमेरिका समेत अनेक दुग्ध उत्पादक पश्चिमी देशों की निगाहें टिकी रहती हैं। हालांकि अब दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले ही दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की तैयारी है। ऐसे में यदि अमेरिकी या अन्य देशों के लिए दुग्ध उत्पाद बेचने के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ती हीं, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाते।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

संकलित

दर्शन

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है, यह तो बेबसी है, लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेड़ियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

गुरु की कृपा से असंभव काम पूरे हो पाते हैं

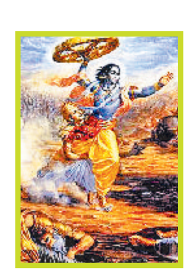

संकलित

प्रेरणा

महाभारत और श्रीमद् भागवद् कथा के रचियता महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं। इनका पूरा नाम कृष्णद्वैपायन था। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया। इसलिए इनका नाम वेदव्यास पड़ा। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि, रोमहर्षण आदि महर्षि वेदव्यास के महान शिष्य थे। एक बार महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर गए। उस समय गांधारी और धृतराष्ट्र ने उनकी बहुत सेवा की थी। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि ने सौ पुत्रों की माता होने का वरदान गांधारी को दिया था। कुछ समय बाद जब गांधारी गर्भवती हुईं। जब संतान के जन्म का समय आया तो संतान की जगह एक मांस पिंड प्रकट हुआ। जब ये बात वेदव्यास जी को मालूम हुई तो वे तुरंत गांधारी के पास पहुंचे। वेद व्यास जी ने अपनी विद्या से उस मांस पिंड से सौ पुत्र बना दिए। गुरु की कृपा से गांधारी सौ पुत्रों की माता बन गई। महर्षि के आशीर्वाद से ही गांधारी को सौ पुत्र हुए जो आगे जाकर कौरव कहलाए। जिनके सेनापति दुर्याधन हुए। महाभारत के युद्ध में दुर्याधन ने ही कौरव सेना की कमान संभाली थी। गुरु की कृपा हो जाती है तो असंभव काम भी पूरा हो जाता है। इसी लिए हम गुरु की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए ताकि उसका फल हमें मिले। कहा गया है की बिना गुरु ज्ञान अधूरा है। गुरु ही हमारा विपत्ति के समय मार्ग दर्शन करते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन

शिमला में गुरुवार को क्रिसमस सेलिब्रेशन के दौरान सांता क्लॉज की ड्रेस में एक बच्चा फोटो के लिए पोज दे हुए।

आज की पाती

उचित जीवनशैली बचाएगी कैंसर से

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पहली बार यह दिवस वर्ष 2014 में मनाया गया था। कहा जाता है कि यह नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक मैरी क्यूरी के जन्मदिन के दिन मनाया जाता है। मैरी क्यूरी को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में भी नोबेल पुरस्कार दिया गया था, यह रेडियो एक्टिविटी की खोज करने के कारण भी प्रसिद्ध थी। इस दिवस के मनाए जाने का मुख्य कारण लोगों को कैंसर से बचने के तौर तरीकों के प्रति जागरूक करना भी है। दुनिया में ही नहीं, बल्कि हमारे देश में भी इसके मरीजों की संख्या बढ़ी है। यह ऐसी बीमारी है जिसके बारे में लोगों को तब पता चलता है जब यह व्यक्ति को मौत के करीब ले आती है। बहरहाल, उचित जीवनशैली को अपनाकर हम कैंसर से बच सकते हैं। *– प्रकाश ठाकुर, बिलासपुर*

ट्रेंड

गगनयान मिशन

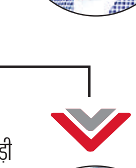

भारत के युवाओं की बदौलत हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अधिक उन्नत और प्रभावशाली होता जा रहा है। एलवीएम3 की विश्वसनीय भारी भार वहन क्षमता के साथ, हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों की नींव मजबूत कर रहे हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सांस्कृतिक परियोजना

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन से जुड़ी बटद्रवा सत्र की भूमि को असम सरकार ने अतिक्रमणमुक्त किया। वहां एक सांस्कृतिक परियोजना को साकार रूप दिया है, जहां सनातन परंपरा और असम की समृद्ध संस्कृति को सुंदर रूप में प्रदर्शित किया है।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

नए कॉरिडोर मंजूर

दिल्ली के लिए दीर्घकालिक समाधानों पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए एक नया मार्ग प्रशस्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के चरण-5 (ए) के तहत तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

उपेक्षा से तिरस्कार तक

भाजपा राज में 'बाटी-चोखा' भी नहीं केवल 'माटी-धोखा' खाने को मिलता है। अब बात 'हाता नहीं भाता' से बहुत आगे निकल गयी है। जब बात उपेक्षा से तिरस्कार तक पहुँच जाती है तो कोई भी समाज सह नहीं पाता है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

वर्ष 2025 में संयुक्त राष्ट्र 80 वर्ष का हुआ

दुनिया के कई इलाकों में जारी संघर्षों, वित्तीय संकट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना के बीच, संयुक्त राष्ट्र ने 2025 में अपनी 80वीं वर्षगांठ मनाई, जबकि भारत ने विश्व निकाय से ''नेतृत्व और आशा'' पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और एक बड़ी भूमिका निभाने की इच्छा व्यक्त की। यूक्रेन और गाजा में संघर्ष, सूडान से लेकर म्यांमा तक दुनिया भर के कई अन्य हिस्सों में युद्ध की स्थिति ने 2025 में भी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संयुक्त राष्ट्र और उसकी शक्तिशाली, लेकिन ध्रुवीकृत, सुरक्षा परिषद की अक्षमता को उजागर किया। जैसे-जैसे राष्ट्र मानवीय आपात स्थितियों, जलवायु संकट और आर्थिक असमानता से जूझ रहे हैं, वैसे-वैसे संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर सवाल और मुखरता से उठाए जा रहे हैं जिनमें प्रमुख सवाल यह है कि क्या 1945 में स्थापित 80 साल पुराने इस संगठन के पास 21वीं सदी में अस्थिर दुनिया की समस्याओं का समाधान है। इस पृष्ठभूमि में, भारत ने इस बहुपक्षीय संगठन में सुधार के लिए जोरदार आह्वान किया है। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि एक 'निष्पक्ष रिपोर्ट कार्ड' से पता चलेगा कि संयुक्त राष्ट्र संकट की स्थिति में है।

ऑफ बीट

आम पकने के पहले ही क्यों गिर जाते हैं ?

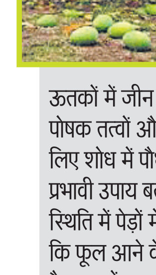

ऑस्ट्रेलिया में हर मौसम में आम उत्पादकों को उस समय भारी नुकसान होता है, जब पेड़ों से बड़ी संख्या में फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया है कि तनाव के दौरान पेड़ों में हार्मोनल असंतुलन और कार्बोहाइड्रेट की कमी पैदा हो जाती है। फल के विकास के लिए आवश्यक शर्करा की आपूर्ति बाधित होने पर पेड़ अपने अस्तित्व को प्राथमिकता देता है और फल गिर जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे एक आणविक क्विट सिग्नल बताया है, जो पेड़ को फल का साथ छोड़ने का संदेश देता है। यह संकेत जीन गतिविधि और हार्मोनल संकेतों के जटिल नेटवर्क से जुड़ा है। इस प्रक्रिया को समझने के लिए वैज्ञानिक आम के डंठल (पेडिसल) के ऊतकों में जीन गतिविधियों का अध्ययन कर रहे हैं, जहां पेड़ और फल के बीच पोषक तत्वों और संकेतों का आदान-प्रदान होता है। फल झड़ने की समस्या के लिए शोध में पौध वृद्धि नियामकों (प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर्स) के उपयोग को एक प्रभावी उपाय बताया गया है। ये हार्मोन के कृत्रिम रूप होते हैं, जो तनाव की स्थिति में पेड़ों में संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। परीक्षणों में पाया गया कि फूल आने के शुरुआती चरण में इनका प्रयोग अधिक प्रभावी रहा, जिससे पैदावार में 17 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

अरावली पर नई परिभाषा को लेकर विवाद, विशेषज्ञों की चेतावनी पर्यावरण के लिए यह विनाशकारी कदमः जयराम रमेश

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने अरावली पर्वतमाला को लेकर मोदी सरकार द्वारा दी गई नई परिभाषा पर कड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने इसे न केवल विशेषज्ञों की राय के विरुद्ध, बल्कि खतरनाक और पर्यावरण के लिए विनाशकारी बताया है।

जयराम रमेश ने फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) के आधिकारिक और प्रामाणिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अरावली को ऊँचाई के आधार पर परिभाषित करना पूरी तरह से अवैज्ञानिक और संदिग्ध है। एफएसआई के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली अरावली पहाड़ियों में से केवल 8.7 प्रतिशत ही 100 मीटर से अधिक ऊंची हैं। वहीं, यदि एफएसआई द्वारा चिन्हित सभी अरावली पहाड़ियों को शामिल किया जाए, तो उनमें से 1 प्रतिशत से भी कम 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली हैं। एफएसआई का स्पष्ट और संतुलित मत है कि ऊंचाई के आधार पर सीमाएँ तय करना उचित नहीं है, और अरावली की पूरी पर्वतमाल चाहे उसकी ऊंचाई कुछ भी हो उसको संरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन सरकार की नई परिभाषा इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दे रही है।

90 फीसदी से अधिक अरावली संरक्षण से बाहर

क्षेत्रफल के लिहाज़ से इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सरकार की नई परिभाषा लागू होने पर अरावली का 90 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा संरक्षण से बाहर हो जाएगा। इससे यह क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोल दिया जाएगा, जो पहले से ही गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर और भी गहरा आघात पहुंचाएगा।

पारिस्थितिक संतुलन पर सुनियोजित हमला?

जयराम रमेश ने इसे मोदी सरकार द्वारा पारिस्थितिक संतुलन पर सुनियोजित हमले का एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदूषण मानकों को कमजोर करने, पर्यावरण और वन कानूनों को शिथिल करने, तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और पर्यावरणीय शासन से जुड़ी संस्थाओं को निष्प्रभावी करने की उसी नीति का हिस्सा है, जो पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिली है।

भाषण और ज़मीनी हकीकत में विरोधाभास

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को लेकर दिए जाने वाले भाषणों और देश के भीतर ज़मीन पर किए जा रहे कार्यों के बीच कोई तालमेल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरित नेतृत्व की बात करने वाली सरकार, देश के भीतर प्राकृतिक धरोहरों को कमजोर करने वाले फैसले ले रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली पर्वतमाला न केवल उत्तर भारत के भूजल संरक्षण, वायु शुद्धिकरण और जलवायु संतुलन के लिए अहम है, बल्कि यह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र को मरुस्थलीकरण से बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में संरक्षण को सीमित करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय संकट को जन्म दे सकता है।

पश्चिम बंगाल में हावड़ा-खड़गपुर खंड के प्रमुख रेल पुल के पुनर्निर्माण को मंजूरी, 432 करोड़ की परियोजना स्वीकृत

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने पश्चिम बंगाल में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत हावड़ा–खड़गपुर रेल खंड पर स्थित महत्वपूर्ण पुल संख्या 57 के पुनर्निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर 431.76 करोड़ की लागत आएगी। सियासत के जानकार स्वीकृत रेल परियोजना को पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से जोड़ कर देख रहे हैं। उनका मानना है ये 'रेल पुल' असल में 'वोट पुल' बनाने की कोशिशों में से एक है।

बदले हुए संरेखण पर नया पुल और वायाडक्ट

स्वीकृत परियोजना के तहत परिवर्तित संरेखण पर पुल की अधोसंरचना (सब-स्ट्रक्चर) का पुनर्निर्माण किया जाएगा। एक नए वायाडक्ट का निर्माण भी प्रस्तावित है। यह कदम मौजूदा ढांचे को आधुनिक इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप बनाने और दीर्घकालिक परिचालन जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

नया कोलाघाट स्टेशन और यात्री सुविधाएं

परियोजना में खड़गपुर मंडल के अंतर्गत देउल्टी और कोलाघाट स्टेशनों के बीच नए कोलाघाट रेलवे स्टेशन का विकास भी शामिल है। इसके अलावा व्यापक प्लेटफॉर्म कार्य, बेहतर प्रतीक्षालय, उन्नत यात्री सुविधाएं और स्टेशन अवसंरचना के आधुनिकीकरण की योजना भी स्वीकृत की गई है।

6 दशक पुराने पुल का आधुनिक पुनर्निर्माण

पुल संख्या 57 पिछले 60 वर्षों से अधिक समय से इस व्यस्त रेल खंड पर ट्रेनों के सुरक्षित संचालन का आधार रहा है। अब इसके पुनर्निर्माण के तहत आधुनिक, मजबूत और टिकाऊ संरचना तैयार की जाएगी।

तेज़ रफ्तार और भारी भार के लिए तैयार

रेलवे ने बताया कि नया पुल भविष्य की परिचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जाएगा। इसमें बढ़ते धुरी भार,अधिक यातायात घनत्व, तथा 130 किमी प्रति घंटे तक की ट्रेन गति को ध्यान में रखा गया है। यह संरचना 57 जीएमटी के अधिक सकल टन भार को कुशलतापूर्वक वहन करने में सक्षम होगी।

चौथी लाइन के लिए भी प्रावधान

परियोजना में चौथी रेलवे लाइन के लिए भी प्रावधान शामिल किया गया है। स्थान, तकनीकी मानकों और आर्थिक व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए अप लाइन और प्रस्तावित चौथी लाइन—दोनों के लिए संयुक्त अधोसंरचना विकसित की जाएगी।

सुरक्षा, क्षमता और कनेक्टिविटी में बढ़ोतरी

रेलवे के अनुसार इस परियोजना के पूरा होने से हावड़ा–खड़गपुर जैसे अत्यंत व्यस्त रेल कॉरिडोर पर सुरक्षा में वृद्धि तो होगी ही, साथ ही यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी से अधिक यात्रियों के आवागमन का साधन उपलब्ध हो सकेगा और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह परियोजना पूर्वी भारत में रेलवे नेटवर्क को आधुनिक और भविष्य के अनुरूप बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

गठबंधन करते उद्धव और राज को लगा बड़ा झटका

महासचिव सहित शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

भाजपा की विचारधारा में जताया विश्वास

एजेंसी ⏭ मुंबई

गुरुवार को नासिक जिले में राज ठाकरे की एमएनएस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका

लगा है। दोनों दलों के कई नेता भाजपा में शामिल हो गए। इनमें एमएनएस के पूर्व विधायक नितिन भोसले, शिवसेना (यूबीटी) के पूर्व मेयर विनायक पांडे, एमएनएस के पहले मेयर यतिन वाघ, कांग्रेस नेता शाहू खैरे और संजय चव्हाण शामिल थे। चौंकाने वाला नाम एमएनएस के प्रदेश महासचिव दिनकर पाटिल का है। जो एक दिन पहले ही राज ठाकरे की पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) के गठबंधन का जश्न मना रहे थे। वे अपने बेटे और पूर्व पार्षद पत्नी लता पाटिल के साथ भाजपा मंत्री गिरीश महाजन की मौजूदगी में शामिल हुए। महाजन ने कहा कि लोग इसलिए शामिल हो रहे हैं क्योंकि वे भाजपा की विचारधारा में विश्वास करते हैं।

चुनाव आयोग की रिपोर्ट ने राजनीतिक चंदे की तस्वीर उजागर की

व्यक्ति विशेष द्वारा दिए गए डोनेशन में भाजपा की हिस्सेदारी 6 फीसदी से भी कम, कांग्रेस को 26%

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भाजपा और। कांग्रेस को व्यक्ति विशेष से मिले चंदे को लेकर जारी चुनाव आयोग की एक रिपोर्ट ने राजनीतिक फंडिंग की तस्वीर को उजागर किया है। चुनाव आयोग को सौंपे गए 2024-25 के योगदान विवरण के अनुसार, भाजपा को मिलने वाले कुल चंदे में व्यक्तिगत दानदाताओं की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से भी कम रही, जबकि कांग्रेस के कुल चंदे में व्यक्तिगत दान का हिस्सा 26 प्रतिशत दर्ज किया गया। वर्ष 2024-20025 में व्यक्ति विशेष से भाजपा को कुल 345 करोड़, कांग्रेस को 139 करोड़ रुपए का डोनेशन मिला। रिपोर्ट के मुताबिक रकम के मामले में भाजपा आगे रही, लेकिन प्रतिशत के लिहाज़ से देखें तो पार्टी के कुल चंदे में व्यक्तिगत योगदान मात्र 5 फीसदी रहा। शेष राशि इलेक्टोरल ट्रस्ट, कॉरपोरेट संस्थानों और अन्य स्त्रोतों से आई। भाजपा को 2,045 व्यक्तियों ने दान दिया। कांग्रेस को 2,386 व्यक्तियों ने चंदा दिया।

भाजपा को मिले व्यक्तिगत दान का विवरण

1 लाख से कमः 804 दानदाता
1–5 लाखः 726 दानदाता
5–50 लाखः 436 दानदाता
50 लाख से अधिकः 79 दानदाता
50 लाख से अधिक की श्रेणी से ही बीजेपी को 279.91 करोड़ मिले।

कांग्रेस को मिले व्यक्तिगत दान का विवरण

1 लाख से कमः 216 दानदाता
1–5 लाखः 1,479 दानदाता
5–50 लाखः 669 दानदाता
50 लाख से अधिकः 22 दानदाता

बड़े दानदाता

भाजपा के सबसे बड़े व्यक्तिगत दानदाताओं में सुरेश ए. कोटक (30 करोड़), अमृतलाल कोटक (25 करोड़) और रमेश कुन्नीकन्नन (17 करोड़) शामिल हैं। कांग्रेस में बड़े दानदाताओं में साजन बजाज (6 करोड़) और संजय अग्रवाल (5 करोड़) प्रमुख बताए गए हैं।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पार्टी छोटे और मध्यम व्यक्तिगत दान पर अधिक निर्भर है, जबकि भाजपा को मिलने वाले फंड में कॉरपोरेट और ट्रस्ट आधारित चंदे का वर्चस्व है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह आंकड़े भारत में राजनीतिक फंडिंग की पारदर्शिता और स्रोतों पर नए सवाल खड़े करते हैं। चुनाव आयोग के नियमों के तहत 20,000 से अधिक के सभी दान का विवरण सार्वजनिक करना अनिवार्य है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन आंकड़ों से यह साफ होता है कि राजनीतिक दलों की आर्थिक निर्भरता आम नागरिकों की बजाय संस्थागत स्रोतों पर अधिक होती जा रही है।

खबर संक्षेप

नेशनल टेस्ट हाउस का भारतीय डाक से करार

नई दिल्ली। गुणवत्ता परीक्षण सेवा प्रदाता नेशनल टेस्ट हाउस (एनटीएच) ने कच्चे माल और औद्योगिक उत्पादों के नमूनों के संग्रह तथा उन्हें अधिकृत प्रयोगशालाओं तक सुरक्षित और समय पर पहुंचाने के लिए भारतीय डाक के साथ एक समझौता किया है। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

नाल्को से उत्पादन लक्ष्य पूरा करने का आग्रह

नई दिल्ली। खान सचिव पीयूष गोयल ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नाल्को की विस्तार योजनाओं और उनके प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए विस्तार परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करने और परिचालन दक्षता को व्यवस्थित रूप से बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मैजिकपिन ने दिल्ली, मुंबई में मेट्रो टिकट बुकिंग की शुरू

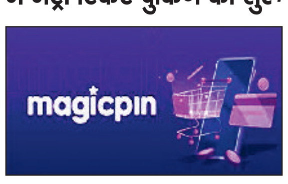

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मैजिकपिन ने दिल्ली और मुंबई में मेट्रो टिकट बुकिंग सेवा शुरू करने की बृहस्पतिवार को जानकारी दी। कंपनी सरकार समर्थित 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' के माध्यम से अपने मंच पर बेहद रियायती दरों पर टिकट उपलब्ध करा रही है। प्रतिस्पर्धियों पेटीएम, अमेजन, फोनपे, रैपिडो के मंच पर भी उपलब्ध है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मोदी के नेतृत्व में 2025 के सुधारः विकसित भारत की ओर बढ़ते तेज कदम

भारत ने बड़े संकल्पों, तीव्र गति और गहरे सुधारों को लागू करने का रास्ता चुना

वर्ष 2025 को एक ऐसे वर्ष के रूप में याद किया जाएगा, जब भारत ने बड़े संकल्पों, तीव्र गति और गहरे सुधारों को लागू करने का रास्ता चुना। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, यह एक ऐसा निर्णायक मोड़ साबित हुआ जब देश ने पुराने और अप्रसंगिक कानूनों की परतों को उतार फेंका, अपनी कर और नियामक व्यवस्थाओं को सरल बनाया, उद्योगों के लिए नए द्वार खोले और शासन व्यवस्था को एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र की आकांक्षाओं के अनुरूप ढाल दिया। यह वह वर्ष था जब भारत का आर्थिक दर्शन स्पष्टता, व्यापकता और वैश्विक महत्वाकांक्षा की ओर अग्रसर हुआ। इसका प्रभाव ग्रामीण भारत, उद्योगों, लेबर मार्केट और उन उभरते क्षेत्रों में महसूस किया गया जो भविष्य को आकार देंगे। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नियामक सुधारों और 21वीं सदी के भारत के लिए कानूनों को नए सिरे से तैयार करने का जो आह्वान किया गया था, उसकी गूँज इन सुधारों में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। सभी वैश्विक अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए, भारतीय अर्थव्यवस्था ने साल 2025 में 8.2 प्रतिशत की आश्चर्यजनक जीडीपी वृद्धि दर्ज की। यह कराधान से लेकर श्रम सुधारों तक, बंदरगाहों के आधुनिकीकरण से लेकर परमाणु ऊर्जा तक और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से लेकर मुक्त व्यापार समझौतों के साथ-साथ महत्वपूर्ण डीरेगुलेशन जैसे ऐतिहासिक सुधारों के जरिए अर्थव्यवस्था में नए प्राण फूंकने का परिणाम था।

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार : एक सरल, न्यायसंगत व पारदर्शी व्यवस्था

वर्ष 2025 में भारत की जीएसटी व्यवस्था में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण सरलीकरण देखा गया। 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्पष्ट स्लैब वाली संरचना को अपनाने से परिवारों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर कर का बोझ कम हुआ। इस सुधार का उद्देश्य विवादों को कम करना, कर अनुपालन में सुधार करना और डिजिटल निगरानी को मजबूत करना था, जबकि वित्तीय संतुलन बनाए रखने के लिए सिन गुड्स को इस नई संरचना से बाहर रखा गया। इसका सीधा प्रभाव कंज्यूमर सेंटिमेंट में दिखाई दिया, जहाँ भारत में दिवाली पर 6.05 ट्रिलियन की रिकॉर्ड बिक्री हुई और पिछले एक दशक में नवरात्रि की सबसे शानदार बिक्री देखी गई।

आयकर क्रांतिः मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

वर्ष 2025 भारत के मध्यम वर्ग के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया, जिसमें एक ऐसा आयकर का ऐसा फ्रेमवर्क प्रस्तुत किया गया जो अंततः मॉडर्न घरेलू बजट की वास्तविकताओं को दर्शाता है। इतिहास में पहली बार, 12 लाख तक की वार्षिक आय वाले लोगों को कोई आयकर नहीं देना पड़ा। इसने न केवल परिवारों के लिए महत्वपूर्ण बचत के द्वार खोले, बल्कि उन्हें अधिक आत्मविश्वास के साथ भविष्य की योजना बनाने, निवेश करने और खर्च करने की वित्तीय स्वतंत्रता भी प्रदान की। इसके साथ ही, भारत ने 4,000 से अधिक संशोधनों और हजारों जटिलताओं के बोझ तले दबे 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलकर आधुनिक और सरल ,आयकर अधिनियम, 2025 को लागू किया।

श्रम सुधार : भारत की विकास गाथा के केंद्र में श्रमिक वर्ष 2025 वह पहला वर्ष बना जब श्रम संहिताओं ने भारत के कार्य-जगत को प्रत्यक्ष और निर्णायक रूप से एक नया आकार दिया। 29 जटिल एवं अलग-अलग कानूनों को चार आधुनिक संहिताओं में समाहित करके, भारत ने एक ऐसा लेबर फ्रेमवर्क तैयार किया जो बिजनेस के लिए अधिक स्पष्ट और श्रमिकों के लिए अधिक सुरक्षित है। उचित वेतन, सुगम औद्योगिक संबंधों, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित कार्यस्थलों पर अधिक बल देते हुए, ये सुधार भारत के श्रम बाजार को 64.33 करोड़ की बढ़ती श्रमशक्ति की सहायता करने, महिलाओं की उच्च भागीदारी को प्रोत्साहित करने और अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ-साथ बेरोजगारी के स्तर को कम बनाए रखने के लिए तैयार करते हैं।

बिल्डिंग परमिट और पर्यावरणीय स्वीकृति में सुधार मोदी सरकार ने हरित क्षेत्र के लिए पहले से अनिवार्य 33 प्रतिशत की एकसमान शर्त में ढील देकर और उद्योग की प्रदूषण क्षमता के आधार पर एक विभेदित प्रणाली शुरू करके विनिर्माण इकाइयों के निर्माण के नियमों को सरल बना दिया है। इस कदम से लगभग 1.2 लाख हेक्टेयर औद्योगिक भूमि उपयोग के लिए उपलब्ध होगी, परियोजना लागत में 20 प्रतिशत तक की कमी आएगी और 20-30 लाख करोड़ के निवेश को गति मिलेगी। किसी इंडसट्रियल पार्क में मौजूद अलग-अलग इंडसट्रियल यूनिट्स, जिसने पहले ही व्यापक पर्यावरणीय स्वीकृति (ईसी) प्राप्त कर ली है, उन्हें आम तौर पर अलग से पर्यावरणीय स्वीकृति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। यह कदम, विशेष रूप से टाइम-सेंसिटिव सेक्टर्स में, पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने में होने वाली देरी के कारण निवेश और रोजगार में होने वाले नुकसान को रोकेगा और समय की 6 से 18 महीने तक की बचत करेगा।

व्यापक सुधार के तहत जीएसटी दरों में भारी कटौती की गई

भारत ने 2025 में कर व्यवस्था में किया बदलाव नया आयकर अधिनियम 1 अप्रैल से होगा लागू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने 2025 में अपने कर ढांचे में व्यापक सुधार किया जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में भारी कटौती और आयकर छूट शामिल है। अब ध्यान आगामी बजट में सीमा शुल्क में तर्कसंगत सुधार और प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर है।

अगले वर्ष एक अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम, 2025 लागू होगा जो छह दशक से अधिक पुराने, वर्तमान आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। साथ ही दो नए कानून, सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने के लिए और पान मसाला पर जीएसटी दरों के अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए सरकार द्वारा तय की गई तिथि से लागू किए जाएंगे। सरकार द्वारा 2025 में लागू किए गए कर सुधारों का उद्देश्य चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक वातावरण के बीच मांग को प्रोत्साहित करना था।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में आयकर छूट का दायरा बढ़ाया ▶ **आगामी बजट में सीमा शुल्क में तर्कसंगत सुधार व प्रक्रिया सरल बनाने पर होगा जोर** ▶ **एक अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम लागू होगा जो छह दशक पुराना है**

सामान्य उपभोग की वस्तुओं पर कर बोझ कम हुआ

शुल्क से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण आर्थिक निर्णय लेने पर असर पड़ने से भारत के कर सुधार उपायों ने घरेलू मांग बढ़ाने, उपभोग को प्रोत्साहित करने और वृद्धि का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस साल एक प्रमुख विशेषता सितंबर 22 से लगभग 375 माल एवं सेवाओं पर जीएसटी दरों में कटौती रही जिससे सामान्य उपयोग की वस्तुओं पर कर का बोझ कम हुआ और लंबे समय से जारी उल्टी कर संरचनाओं (इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर) की चिंताओं का समाधान हुआ।

सीमा शुल्क सरलीकरण पर जोर

इस कदम को उपभोग को बढ़ावा देने वाला माना गया (विशेष रूप से शहरी परिवारों के लिए) साथ ही सरलीकृत कर व्यवस्था के तहत स्वैच्छिक अनुपालन को मजबूत करने वाला भी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा कि सीमा शुल्क का सरलीकरण सरकार का सुधार का अगला बड़ा लक्ष्य होगा।

जीएसटी संग्रह अप्रैल में रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रहा

संग्रह की दृष्टि से, अप्रैल में जीएसटी संग्रह ने रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये को छुआ और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इसका औसत 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। व्यापक दर कटौतियों के कारण जीएसटी राजस्व पर कुछ दबाव बना, साथ ही वृद्धि दर धीमी हुई। भारत में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह नवंबर में साल के निचले स्तर 1.70 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। यह सालाना आधार पर केवल 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है।

फेसलेस असेसमेंट सीमा शुल्क में लागू करने की जरूरत

पारदर्शिता के संदर्भ में आयकर के गुणों जैसे कि 'फेसलेस असेसमेंट' को सीमा शुल्क में भी लागू करने और शुल्क दरों के युक्तिकरण को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। भारत जैसे-जैसे कर सुधारों के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है और इसमें सरलीकरण, पूर्वानुमानशीलता तथा व्यापार करने में आसानी के नीतिगत लक्ष्य के केंद्र में रहने की उम्मीद है।

सीमा शुल्क के डिजिटलीकरण पर जोर

नांगिया ग्लोबल के अप्रत्यक्ष कर साझेदार राहुल शेखर ने कहा कि सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के संपूर्ण डिजिटलीकरण पर जोर दिया जाना चाहिए जिसमें दस्तावेजीकरण में एकरूपता, पूर्वानुमानित वर्गीकरण पद्धतियां और जोखिम-आधारित त्वरित मंजूरी शामिल हैं जिससे व्यापार सुगमता एवं निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।

'सांता की सीख' दिल्ली पुलिस ने शहर में साइबर जागरूकता अभियान चलाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इस त्योहारी मौसम में एक व्यापक शहरव्यापी साइबर जागरूकता अभियान आयोजित करके साइबर सुरक्षा और डिजिटल जागरूकता को बढ़Þवा देने के अपने प्रयासों को जारी रखा। यह अभियान दिल्ली के सभी 15 पुलिस जिलों में एक-एक प्रमुख स्थान पर चलाया गया, जहां बाजारों और मॉल जैसी जगहों पर लोगों की भारी भीड़ होती है, ताकि बड़ी और विविध आबादी तक प्रभावी ढंग से पहुंचा जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी, सुरक्षित डिजिटल तरीकों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में शिक्षित करना था। साइबर जागरूकता पहल को सार्वजनिक जुड़ाव और प्रभाव को अधिकतम करने के लिए नवीन और इंटरैक्टिव तरीकों का उपयोग करके अच्छी तरह से नियोजित तरीके से निष्पादित किया गया।

ग्राउंड लेवल आउटरीच कार्यक्रमः लोगों को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए साइबर सुरक्षा क्विज और गेम सहित कई इंटरैक्टिव सीखने की गतिविधियाँ आयोजित की गईं। भागीदारी को प्रोत्साहित करने और सार्वजनिक भागीदारी को स्वीकार करने के लिए, प्रतिभागियों को साइबर जागरूकता संदेशों वाले छोटे उपहार वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त, आयोजन स्थलों पर साइबर सुरक्षा जागरूकता पर स्टैंडी और पोस्टर प्रदर्शित किए गए, व्याख्यान, प्रश्न-उत्तर सत्र, साइबर अपराध जागरूकता पर आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिसमें ऑनलाइन सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

यातायात कारपोरेशन का आईपीओ के लिए आवेदन : नई दिल्ली। लॉजिस्टिक एवं परिवहन सेवा कंपनी यातायात कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के जरिये कोष जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं।

इमेज सुधारने चली इन्फोसिस, फ्रेशर्स को 21 लाख तक ऑफर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

को-फाउंडर्स के बेतुके बयान, 300 ट्रेनीज की छंटनी और 32,000 करोड़ से ज्यादा टैक्स विवाद में नाम उछलने के बाद अब इन्फोसिस इमेज मेकओवर करती दिख रही है। इस दिशा में सबसे पहला कदम कंपनी ने नई हायरिंग को लेकर ही उठाया है। इन्फोसिस अब न्यू हायर्स को 21 लाख रुपए तक ऑफर कर रही है। यह इस क्षेत्र में किसी भी और कंपनी के मुकाबले अधिक है। हालांकि, यह पैकेज हर फ्रेशर को नहीं दिया जा रहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन्फोसिस ने कुछ खास रोल्स में फ्रेशर्स के लिए सैलरी पैकेज बढ़ा दिए हैं, क्योंकि कंपनी अपनी एआई-फर्स्ट क्षमताओं को मजबूत करना चाहती है। अब इन्फोसिस स्पेशलाइज्ड टेक्नोलॉजी रोल्स के लिए सालाना 21 लाख रुपए तक का पैकेज दे रही है, जो भारत की आईटी कंपनियों में सबसे ज्यादा एंट्री-लेवल सैलरी है।

किसे कितना पैकेज

स्पेशलिस्ट प्रोग्रामर एल3 (ट्रेनी) के लिए इन्फोसिस 21 लाख रुपए तक का पैकेज दे रही है। स्पेशलिस्ट प्रोग्रामर एल2 (ट्रेनी) के लिए 16 लाख और एल1 (ट्रेनी) के लिए 11 लाख रुपए सालाना पैकेज है। डिजिटल स्पेशलिस्ट इंजीनियर (ट्रेनी) रोल के लिए 7 लाख रुपए सालाना मिलेंगे।

कंपनी का कहना

इन्फोसिस ग्रुप के सीएचआरओ शाजी मैथ्यू ने कहा कि कंपनी सभी सर्विस लाइनों में एआई-फर्स्ट स्ट्रैटेजी अपना रही है, जिससे मौजूदा कर्मचारियों को अपस्किल करने और खास स्किल वाले नए टैलेंट को हायर करने की जरूरत बढ़ गई है। उन्होंने कहा, "हमारी अर्ली-करियर हायरिंग कैंपस और ऑफ-कैंपस दोनों चैनल्स से होती है।

भारत 1 जनवरी से किम्बर्ली प्रक्रिया की करेगा अध्यक्षता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत अगले साल एक जनवरी से तीसरी बार किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) की अध्यक्षता करेगा। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से विवादित हीरों को हटाने की एक वैश्विक पहल है।

वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में यह बात कही। केपी विभिन्न देशों, उद्योग एवं नागरिक समाजों की एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य उन विवादित हीरों के प्रवाह को नियंत्रित करना है जिनका इस्तेमाल दुनिया भर में वैध सरकारों के खिलाफ विद्रोही आंदोलन को वित्त पोषित करने के लिए किया जाता है। भारत हीरा काटने और पॉलिश करने के क्षेत्र में एक वैश्विक खिलाड़ी है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार विवादित हीरे, वे कच्चे हीरे हैं जिनका उपयोग विद्रोही समूह या उनके सहयोगी दुनिया भर में वैध सरकारों को कमजोर करने वाले संघर्षों को वित्तपोषित करने के लिए करते हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, '' भारत 25 दिसंबर 2025 से केपी उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेगा और नव वर्ष में अध्यक्ष का पदभार संभालेगा। यह तीसरी बार होगा जब भारत को किम्बर्ली प्रक्रिया की अध्यक्षता सौंपी जाएगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
सत्यमेव जयते

- भारत तीसरी बार केपी की अध्यक्षता करेगा
- विवादित हीरों को हटाने की एक वैश्विक पहल है

प्रक्रिया में वर्तमान में 60 भागीदार

इसमें वर्तमान में 60 भागीदार हैं जिनमें यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों को एक ही भागीदार माना जाता है। ये सभी भागीदार मिलकर वैश्विक कच्चे हीरे के व्यापार के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे यह इस क्षेत्र को नियंत्रित करने वाला सबसे व्यापक अंतरराष्ट्रीय तंत्र बन जाता है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

:: निविदा सूचना ::

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र./सिस्टम टेन्डर नं	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू (लाख में)
1	2	3
259/182070	विधानसभा संभाग के अंतर्गत उपसंभाग क्र.2 के विभिन्न मार्गों में क्रश बैरियर का कार्य। 1 सारागांव देवरी मार्ग के किमी. 3/8, 3/10, 12/10, 13/4, 15/2, 16/4, 16/8, 17/6, 18/4, 18/8 19/4, 19/8 2. खैरखुट तरपोंगी निनवा किरना मार्ग के किमी. 1/4, 5/10, 6/2, 11/2, एवं 13/10, में जंक्शन इम्प्रूवमेंट एवं विभिन्न चैनेज के क्रश बैरियर कार्य। 3. धरसींवा तिवरैया रैता किरना मार्ग के किमी. 1/4, 3/6, 6/6, 6/10, 7/10, 8/2, 10/2, 12/4, 21/6 एवं 21/8 क्रश बैरियर कार्य। 4. धरसींवा कुरा पण्डरभट्टा लखना भुमिया मार्ग के किमी. 1/4, 2/2, 3/4, 6/6, 10/6, 12/2, 15/10, 17/10, 19/8, 20/10, 3/2, 7/2, 9/4, 11/8, 13/2 एवं 20/6 जंक्शन इम्प्रूवमेंट एवं विभिन्न चैनेज के क्रश बैरियर कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 134.27 लाख
28/182122	S.R./M.O.W./ DEPOSITE WORK AS PER SANCTIONED TIME TO TIME FOR RES. & NON RES.BUILDING, AT JAIL SECTION, UNDER P.W.D. CONSTRUCTION SUB. DIVISION-2 RAIPUR (C.G.) (षष्ठम आमंत्रण)	रू. 30.00 लाख
274/182131	S/R WORK ON VARIOUS ROAD & VARIOUS CULVERT UNDER SUB DIVISION NO. 3 NAVA RAIPUR (PART -2) (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 30.00 लाख

एन.आई.टी. क्र. 28 सिस्टम टेन्डर नं. 182122 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 02.01.2026 समय सायं 5:30 बजे तक, एन.आई.टी. क्र.259 सिस्टम टेन्डर नं. 182070 एवं एन.आई.टी. क्र.274 सिस्टम टेन्डर नं.182131 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 07.01.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मण्डल क्रं.-1 रायपुर (छ.ग.)

G-252605678/5

राशिफल

मेष — वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन — माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या — स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला — वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर — कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ — कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

शब्द पहेली - 6089

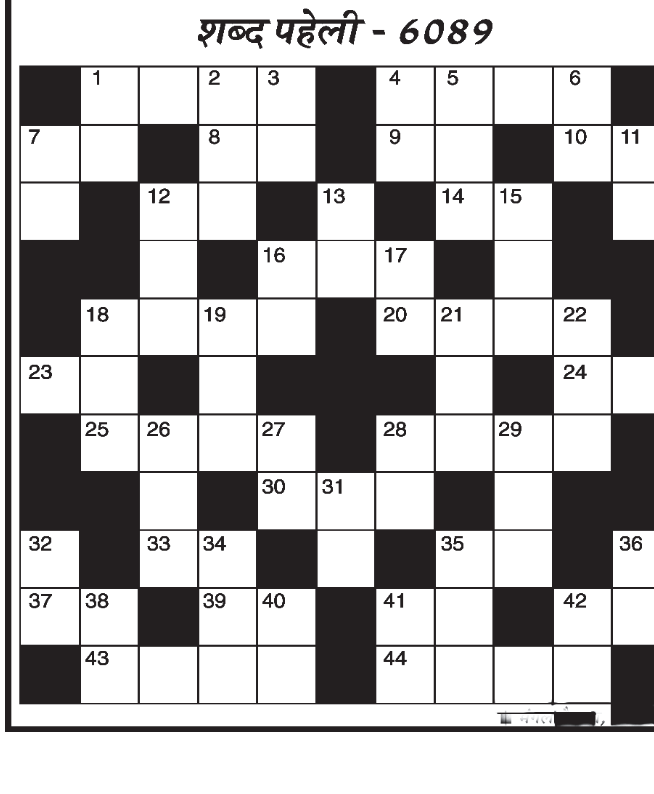

बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली -6088 का हल

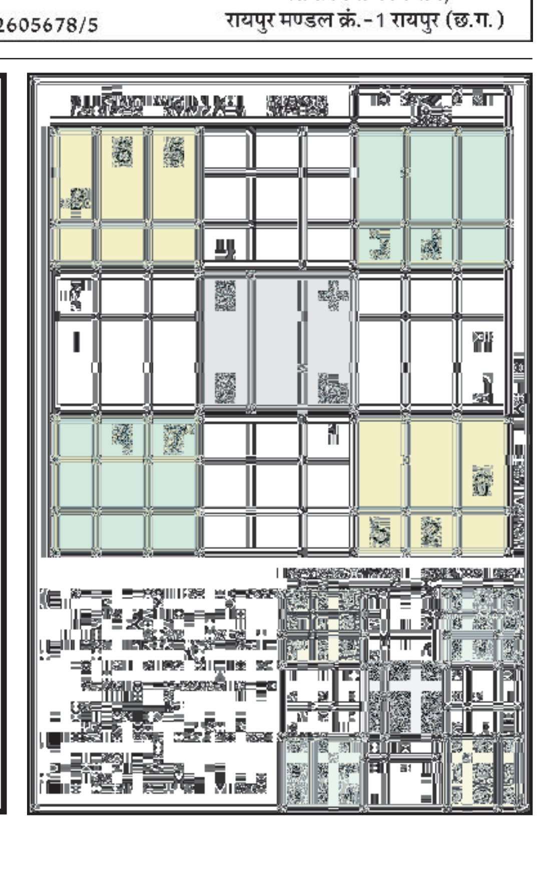

इस साल भारतीय क्रिकेट टीम ने नई ऊंचाइयों को तो छुआ, मगर कहीं खा गए मात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2025 में एक परिवर्तनकारी दौर से गुजरी। इस साल आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहने के बाद टीम को शुभमन गिल के रूप में एक युवा कप्तान मिला।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गिल को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया। टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, वहीं सीमित ओवर क्रिकेट में टीम ने नई ऊंचाइयों को छुआ।

साल 2025 में टीम इंडिया ने हासिल की उपलब्धियां, साथ में निराशा भी

अपराजित रहते हुए जीता चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

भारतीय टीम मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी को 3 बार जीतने वाली पहली टीम बनी थी। रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने दुबई में खेले गए एकतरफा फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर यह उपलब्धि हासिल की थी। खास बात यह रही कि टीम ने बिना कोई मैच हारे खिताब जीता था। टूर्नामेंट में यह उनका लगातार तीसरा फाइनल था। इसके साथ ही भारत ने अपना 7वां आईसीसी खिताब जीता, जो किसी भी टीम के लिए दूसरा सबसे अधिक खिताब हैं।

ओवल टेस्ट में दर्ज की ऐतिहासिक जीत

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के समापन के बाद गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर गई। कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी में भारत ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। पांच टेस्ट मैचों में 1,000 से अधिक गेंदें फेंकने वाले मोहम्मद सिराज ने ओवल में निर्णायक जीत दिलाकर सीरीज बराबर की। उनकी 143 किमी प्रति घंटे की यॉर्कर ने भारत को 6 रन से जीत दिलाई। इंग्लैंड 374 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई।

रोहित-कोहली की वापसी

भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया और 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली। रोहित को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। लगातार 2 मैचों में शून्य पर आउट होने वाले कोहली ने आखिरी वनडे में अर्धशतक बनाया।

भारत ने जीता एशिया कप में अपना 9वां खिताब

इसके बाद भारतीय टीम सितंबर में टी-20 एशिया कप के लिए यूएई गई। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने फाइनल समेत अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3 बार हराकर अपराजित रहते हुए जीत दर्ज की। अभिषेक शर्मा ने पूरे अभियान में अहम भूमिका निभाई। फाइनल में तिलक वर्मा ने 53 गेंदों पर 69* रनों की अपनी स्थिर पारी से महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत ने अपना 9वां एशिया कप खिताब (वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मिलाकर) जीता।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार

वेस्टइंडीज को हराने के बाद भारत कोलकाता टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 30 रनों से हार गया। भारत 124 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाया। गुवाहाटी में जीत हासिल करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 2-0 से हराया। प्रोटियाज ने 548 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया और अंतिम दिन भारत को 140 रनों पर ऑल आउट कर दिया। इससे दक्षिण अफ्रीका ने साल 2000 के बाद भारत में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रहा।

भारत की टेस्ट टीम के लिए एक और बड़ी निराशा

गुवाहाटी में भारत को टेस्ट क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी हार (408 रन) मिली, जिसने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली 342 रनों की हार का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 से हार मिली थी।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीती वनडे और टी-20 सीरीज

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत ने शानदार वापसी की। इस सीरीज में भारत ने 2-1 से जीत हासिल की और कोहली ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दोहराया। सीरीज में उन्होंने 2 लगातार शतक और एक अर्धशतक जड़ा। इसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। इसके बाद, भारत ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को 3-1 से हराया। यह भारत की लगातार 8वीं द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीत थी।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिपः श्रुति और पारुल अगले दौर में

विजयवाड़ा। अनुभवी शटलर श्रुति मुंडाडा तथा उभरती खिलाड़ी पारुल चौधरी और तन्वी पात्री ने राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार को अपने से अधिक रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को हराकर महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। श्रुति ने सातवीं वरीयता प्राप्त जिया रावत को 21-14, 21-9 से, जबकि पारुल ने नौवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 18-21, 21-18, 21-12 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। तन्वी पात्री ने आठवीं वरीयता प्राप्त इशरानी बरुआ को 22-20, 21-19 से हराकर उलटफेर किया।शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुडा, दूसरी वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय, तीसरी वरीयता प्राप्त अनमोल खरब और विश्व जूनियर रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी अगले दौर में पहुंच गईं हैं।

जीव कोलंबो में जीते पुखराज रहे टॉप पर

कोलंबो। भारत के महान गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने 13 साल का इंतजार खत्म करते हुए आईजीपीएल आमंत्रण श्रीलंका टूर्नामेंट जीतकर आईजीपीएल के पहले सत्र का शानदार अंत किया। वर्ष 2012 के बाद से प्रो टूर्नामेंट नहीं जीत सके 54 साल के जीव ने छह अंडर 65 और कुल 15 अंडर का स्कोर करके आर्यन रूपा आनंद को एक शॉट से हराया। भारत के ही पुखराज सिंह गिल संयुक्त 12वें स्थान पर रहने के बावजूद आईजीपीएल आर्डर आफ मेरिट जीत गए। उन्होंने अमन राज और गगनजीत भुल्लर को मामूली अंतर से हराया। जीत के बाद जीव मिल्खा सिंहन ने आंसू पोछते हुए कहा मैने श्रीलंका में पहले कभी नहीं खेला है। मेरे लिये यह भावुक पल है क्योंकि यही वह जगह है जहां मेरे माता पिता में प्रेम हुआ और उनके रिश्ते की शुरूआत हुई।

जीत के साथ दुबई कैपिटल्स प्लेआफ में

दुबई। शायन जहांगीर और जोर्डन कॉक्स के अर्धशतकों की मदद से गत चैम्पियन दुबई कैपिटल्स ने विश्व आईएलटी20 में शारजाह वारियर्स को छह विकेट से हराकर प्लेआफ में जगह बना ली। जहांगीर ने विकेट के पीछे भी शानदार प्रदर्शन करते हुए खतरनाक बल्लेबाज टॉम कोहलेर कैडमोर को आउट किया। जीत के लिये 135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दुबई कैपिटल्स ने जहांगीर और कॉक्स के बीच 63 गेंद में 76 रन की साझेदारी की मदद से आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। कॉक्स 50 गेंद में 61 रन बनाकर नाबाद रहे।

एशेज सीरीज 2025-26: फिलहाल 3-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम

चौथा बॉक्सिंग डे टेस्ट आज से : ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगे स्मिथ, इंग्लैंड ने किए कई बदलाव

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

एशेज सीरीज 2025-26 का चौथा और बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त ले चुकी है।

पैट कमिंस चोटिल होने के कारण चौथे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। ऐसे में एक बार फिर स्टीव स्मिथ कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। इंग्लैंड ने भी अपनी प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव किए हैं। ऐसे में जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार चार टेस्ट मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाने आतुर है वहीं इंग्लैंड किसी भी प्रकार एक टेस्ट मैच ड्रा कराकर या जीतकर ऑस्ट्रेलिया के विजयरथ को रोकना चाहेगी।

इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा रहा है भारी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अब तक 364 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान कंगारू टीम को 155 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड ने 112 मैच अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच 97 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच अब तक 188 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। 102 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और 57 में उसे हार मिली है। 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए।

इंग्लैंड टीम

इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर और ओली पोप को शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह जेकब बेथेल और गस एटकिंसन की वापसी हुई है। आर्चर चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं। पोप को उनकी खराब फॉर्म के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया है।
इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन : जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टंग।

ऑस्ट्रेलिया टीम

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टेस्ट के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में तेज गेंदबाजों को ज्यादा मौके मिले हैं। नाथन लियोन चोटिल होने के कारण इस टेस्ट से बाहर हो गए हैं। हालांकि, इसके बावजूद टीम काफी मजबूत नजर आ रही है।
ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन : ट्रेविस हेड, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट और माइकल नेसर/ झाय रिचर्डसन।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर होंगी नजरें

हेड ने पिछले 10 टेस्ट मैच में 42.17 की औसत से 759 रन बनाए हैं। केरी के बल्ले से पिछले 10 मुकाबलों में 53.07 की शानदार औसत से 743 रन निकले हैं। इंग्लैंड के लिए रूट ने पिछले 10 मुकाबलों में 54.75 की शानदार औसत से 876 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में स्टार्क ने पिछले 10 मैच में 51 विकेट चटकाए हैं। इंग्लैंड के लिए स्टोक्स ने पिछले 9 मुकाबलों में 32 विकेट अपने नाम किए हैं।

न्यूजीलैंड से होगी भिड़ंत

नए साल की पहली वनडे सीरीज जीतने उतरेगी शुभमन ब्रिगेड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को 11 जनवरी, 2026 से न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम ने नवंबर 2025 में अपनी पिछली वनडे सीरीज दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के विरुद्ध खेली थी और उसे 2-1 से जीता था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत आगामी सीरीज में कीवी टीम के खिलाफ भी उम्दा प्रदर्शन करना चाहेगी। इस बीच भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे क्रिकेट के प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

भारत का पलड़ा रहा है भारी

अब तक दोनों टीमों की भिड़ंत में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। क्रिकइंफो के मुताबिक, दोनों टीमें कुल 120 वनडे में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से 62 मैच भारत ने जीते हैं और 50 में शिकस्त का सामना किया है। इस बीच 7 मैच बेनतीजा रहे हैं और 1 मैच टाई रहा है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वोच्च स्कोर 397 रन और न्यूनतम स्कोर 88 रन बनाया है।

भारत में कोई वनडे सीरीज नहीं जीत सकी है न्यूजीलैंड की टीम

अब तक दोनों टीमें कुल 17 द्विपक्षीय वनडे सीरीज में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से 9 सीरीज भारतीय टीम ने जीती हैं और 6 सीरीज न्यूजीलैंड ने अपने नाम की हैं। इस बीच 2 सीरीज ड्रॉ रही हैं। अपने देश में खेलते हुए भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी 7 सीरीज जीती है। दिलचस्प रूप से कीवी टीम ने 1988 में भारत में पहली बार सीरीज खेली थी और अब तक सीरीज नहीं जीती है।

न्यूजीलैंड से इन खिलाड़ियों का रहा है अच्छा प्रदर्शन

रॉस टेलर ने भारत के खिलाफ 47.75 की औसत से 1,385 रन (शतक-3) बनाए थे। भारत के विरुद्ध केन विलियमसन ने 44.25 की औसत से 1,239 रन, और डेरिल मिचेल ने 48.62 की औसत से 389 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में टिम साउथी ने भारतीय टीम के खिलाफ 24 पारियों में 36.23 की औसत से 38 विकेट लिए थे। काइल मिल्स ने 34.53 की औसत से 29 पारियों में 32 विकेट लिए थे।

लिस्ट-ए क्रिकेट में

विराट- सचिन सहित इन बल्लेबाजों ने पूरे किए सबसे तेज 16,000 रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में अपने पहले मुकाबले में शतक लगाया। दिल्ली क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने आंध्र प्रदेश क्रिकेट टीम के विरुद्ध 131 रन की पारी खेली। इस बीच उन्होंने अपने लिस्ट-A क्रिकेट करियर में 16,000 रन पूरे किए। इस दौरान लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा छूने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

विराट कोहली (330 पारियां)

कोहली ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच में 101 गेंदों का सामना करते हुए 14 चौके और 3 छक्के की मदद से 131 रन बनाए। कोहली ने 2006 में दिल्ली की ओर से खेलते हुए अपने लिस्ट-ए करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने अब तक 343 मैचों की 330 पारियों में 16,000 से अधिक रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 183 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 58 शतक और 84 अर्धशतक लगाए हैं।

सचिन तेंदुलकर (391 पारियां)

पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 391 पारियों में अपने लिस्ट लिस्ट-ए करियर के 16,000 रन पूरे किए थे। उन्होंने अपने लिस्ट-ए क्रिकेट करियर में कुल 551 मैच खेले, जिसकी 538 पारियों में 45.54 की औसत के साथ 21,999 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने सर्वाधिक 60 शतक और 114 अर्धशतक लगाए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 200 रन रहा। तेंदुलकर लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

गॉर्डन ग्रीनिज (422 पारियां)

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज गॉर्डन ग्रीनिज ने 422 पारियों में लिस्ट-ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरे किए थे। उन्होंने 440 मैचों की 436 पारियों में 40.56 की औसत के साथ 16,349 रन बनाए थे। उन्होंने 186* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 33 शतक और 94 अर्धशतक भी अपने नाम किए थे। वह विवियन रिचर्ड्स के बाद वेस्टइंडीज से दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

रिकी पोंटिंग (430 पारियां)

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 430 पारियों में अपने 16,000 लिस्ट-ए रन पूरे किए थे। अपने लिस्ट-ए करियर में उन्होंने कुल 456 मैच खेले थे, जिसमें 41.74 की औसत के साथ 16,363 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 34 शतक और 99 अर्धशतक लगाए थे। अपने वनडे करियर में उन्होंने 375 मैच खेले थे, जिसमें 42.03 की औसत से 13,704 रन अपने नाम किए थे। अपने वनडे करियर में उन्होंने 30 शतक भी जड़े थे।

भारत-श्रीलंका के बीच तीसरा टी20 आज भारत की नजरें सीरीज जीतने पर

तिरूवनंतपुरम। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम अपनी लय को कायम रखते हुए खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी20 मैच और पांच मैचों की श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है।

भारत की यह पिछले 11 टी20 मैचों में नौवीं जीत थी। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई 2024 में दाम्बुला में हराया था। मैच आज शाम 7 बजे से तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

भारत की सभी खिलाड़ी अभी फॉर्म पर

मेजबान टीम के पास शानदार बल्लेबाजी क्रम है और पिछले दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जहां जेमिमा रौड्रिग्स चली तो दूसरे में शेफाली वर्मा जीत की सूत्रधार रहीं। भारत की गेंदबाजी ईकाई भी उतनी ही दमदार है और स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया। युवा एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अनुशासित, नियंत्रित और प्रभावी गेंदबाजी की है।

विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में तीन टीमों ने हासिल किया है सबसे बड़ा लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कर्नाटक क्रिकेट टीम ने 24 दिसंबर 2025 को लिस्ट-ए क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया। मयंक अग्रवाल की कप्तानी में टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी में झारखंड के खिलाफ 413 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर लिया। एलीट ग्रुप-ए के इस मुकाबले में कर्नाटक ने टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। दिलचस्प बात यह रही कि इसी दिन बंगाल ने भी विजय हजारे ट्रॉफी का संयुक्त तीसरा सबसे बड़ा रन चेज अपने नाम किया।

कर्नाटक 413 रन बनाम झारखंड, अहमदाबाद (2025)

कप्तान ईशान किशन की महज 33 गेंदों में तूफानी शतकीय पारी की बदौलत झारखंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 412 रन बनाए। इस दौरान विराट सिंह और कुमार कुशाग्र ने भी तेज अर्धशतक जड़े। कर्नाटक की ओर से अभिलाष शेट्टी ने 4/72 के आंकड़े दर्ज किए। जवाब में कर्नाटक ने 15 गेंद शेष रहते 413 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। देवदत्त पडिक्कल ने शानदार 147 रन, जबकि कप्तान मयंक अग्रवाल ने 54 रन की अहम पारी खेली।

आंध्र क्रिकेट टीम 384 रन बनाम गोवा, बेंगलुरु (2012)

विजय हजारे ट्रॉफी का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी आंध्र क्रिकेट टीम के नाम दर्ज है। 2011-12 सीजन में पहले बल्लेबाजी करते हुए गोवा ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 383 रन बनाए।

बंगाल- 383 रन बनाम विदर्भ, राजकोट (2025)

विदर्भ ने अमन मोखाडे (110) और ध्रुव शौरी (136) के शतकों की बदौलत 5 विकेट पर 382 रन बना दिए। अंतिम ओवरों में नचिकेत भुटे और हर्ष दुबे ने तेज रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

अलविदा 2025 : शुभमन ने 16 पारियों में बनाए 983 रन

टेस्ट में इस साल चला गिल का बल्ला, ठोके राहुल से ज्यादा रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साल 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम के कई बल्लेबाजों ने अपनी तकनीक और निरंतरता से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

घरेलू मैदान या विदेशी पिचें, इन खिलाड़ियों ने लंबी और महत्वपूर्ण पारियां खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। कठिन परिस्थितियों में भी उनकी बल्लेबाजी ने रन बनाने में निरंतरता दिखाई। ऐसे में आइए जानते हैं उन भारतीय बल्लेबाजों के बारे में, जिन्होंने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाए और अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम दिखाया।

शुभमन गिल

(983 रन)

इस सूची में पहले स्थान पर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल हैं। उनके बल्ले से साल 2025 में खूब रन निकले। इस खिलाड़ी ने 9 मुकाबले खेले और इसकी 16 पारियों में 70.21 की उम्दा औसत के साथ 983 रन बनाए। उनके बल्ले से 5 शतक और 1 अर्धशतक निकला। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। गिल 2 पारियों में नाबाद भी रहे। वह कुल मिलाकर दुनिया में भी टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

केएल राहुल (813 रन)

इस सूची में दूसरे स्थान पर भारतीय टीम के एक और स्टार बल्लेबाज केएल राहुल हैं। उन्होंने इस साल 10 टेस्ट मैच खेले और इसकी 19 पारियों में 45.16 की शानदार औसत के साथ 813 रन बनाने में सफल रहे। उनके बल्ले से 3 शतक और 3 अर्धशतक निकले। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 137 रन रहा। राहुल 1 बार नाबाद भी रहे। इस खिलाड़ी के बल्ले से 100 चौके और 4 छक्के निकले।

रविंद्र जडेजा (764 रन)

स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी रविंद्र जडेजा सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों में तीसरे स्थान पर हैं। उन्हें इस साल 10 टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने 17 पारियों में बल्लेबाजी की और 63.66 की बेहतरीन औसत के साथ 764 रन बनाने में सफल रहे। उनके बल्ले से साल 2025 में 2 शतक और 6 अर्धशतक निकले। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 107 रन रहा। जडेजा ने 53.46 की स्ट्राइक रेट से इस साल बल्लेबाजी की।

यशस्वी जायसवाल (745 रन)

भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 2025 में 10 टेस्ट मैच खेले थे। इसकी 19 पारियों में उन्होंने 39.21 की औसत के साथ 745 रन बनाने में सफल रहे। उनके बल्ले से 3 शतक और 3 अर्धशतक निकले। इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन रहा। यशस्वी ने साल 2025 में 66.16 की शानदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

बांग्लादेश के ढाका में भव्य स्वागत

17 साल बाद लौटे तारिक रहमान, अब तेज होगा घमासान

एजेंसी ⏭ ढाका

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान गुरुवार को ढाका पहुंच गए। वह 17 साल के अंतराल के बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौटे हैं। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्यों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। उनके साथ उनकी पत्नी जुबैदा रहमान और बेटी जैमा रहमान भी थीं। तारिक रहमान ने बांग्लादेश पहुंचने पर ढाका में एक विशाल रैली को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने भविष्य की अपनी योजनाओं समेत कई मुद्दों पर बात की। तारिक रहमान ने कहा कि जिस तरह देश के लोगों ने 1971 में आजादी हासिल की थी, उसी तरह 2024 में समाज के सभी स्तरों के लोगों ने मिलकर देश की आजादी और संप्रभुता की रक्षा की। आज, बांग्लादेश के लोग बोलने का अपना अधिकार वापस पाना चाहते हैं। वे अपने लोकतांत्रिक अधिकार वापस पाना चाहते हैं।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर के मशहूर उद्धरण 'मेरा एक सपना है' का जिक्र करते हुए, तारिक रहमान ने कहा कि मेरे पास एक प्लान है। उन्होंने संकेत दिया कि उनके पास देश बनाने का एक प्लान है और उन्होंने हर नागरिक से सहयोग की अपील की, यह कहते हुए कि केवल सामूहिक समर्थन से ही प्लान को सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है

सुरक्षित बांग्लादेश बनाने पर दिया जोर

बोलने का अधिकार वापस देना चाहते

तारिक रहमान का स्वागत करते समर्थक

लोकतांत्रिक नींव पर देश का निर्माण हो

तारिक रहमान ने इस बात पर जोर दिया कि युवा पीढ़ी भविष्य में देश का नेतृत्व करेगी। उन्होंने मजबूत आर्थिक स्थिरता के साथ लोकतांत्रिक नींव पर देश के निर्माण पर जोर दिया, और बार-बार दोहराया कि हम देश में शांति चाहते हैं। रहमान ने कहा कि हम सब मिलकर काम करेंगे और अपना बांग्लादेश बनाएंगे। उन्होंने वहाँ मौजूद सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया।

सभी मिलकर काम करें

तारिक रहमान ने आगे कहा कि देश को बनाने के लिए अब सभी को मिलकर काम करने का समय आ गया है। उन्होंने बांग्लादेश की विविधता पर जोर दिया, यह बताते हुए कि यह देश पहाड़ों और मैदानों के लोगों, मुसलमानों, हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों का घर है। उन्होंने एक सुरक्षित बांग्लादेश बनाने के लक्ष्य पर जोर दिया, एक ऐसा देश जहां हर महिला, पुरुष या बच्चा अपने घर से निकलकर सुरक्षित वापस लौट सके।

बांग्लादेश के लिए एक प्लान है

मार्टिन लूथर किंग जूनियर के मशहूर उद्धरण 'मेरा एक सपना है' का जिक्र करते हुए, तारिक रहमान ने कहा कि मेरे पास एक प्लान है। उन्होंने संकेत दिया कि उनके पास देश बनाने का एक प्लान है और उन्होंने कहा कि केवल सामूहिक समर्थन से ही प्लान को सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है।

लोगों को आर्थिक अधिकार मिलें

उन्होंने कहा कि देश के लोगों को उनके आर्थिक अधिकार वापस मिलें। भविष्य का बांग्लादेश उसी तरह बनाया जाना चाहिए जैसा सोचा गया था। यह उसी तरह हो जैसा 1971 और 2024 में शहीद हुए लोगों ने सोच रखा था।

अवामी लीग का आरोप

ये बैकडोर डील का हिस्सा

लंबे निर्वासन के बाद बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान की देश वापसी को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। अवामी लीग के छात्र संगठन ने आरोप लगाया है कि यह वापसी लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नहीं, बल्कि एकतरफा चुनाव कराने की 'बैकडोर डील' का हिस्सा है। बांग्लादेश छात्र लीग के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने कहा कि तारिक रहमान की घर वापसी से देश में स्थिरता नहीं आएगी, बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण और बढ़ेगा। उनका दावा है कि यह पूरा घटनाक्रम अवैध सरकार और बीएनपी-जमात गठबंधन के बीच एक समझौते का नतीजा है, जिसका मकसद चुनाव को पहले से तय नतीजों की ओर ले जाना है।

एक और हिंदू युवक की हत्या

बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले के पांगशा उपजिला में बुधवार रात एक और हिंदू युवक की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, युवक पर जबरन वसूली (एक्सटॉर्शन) का आरोप लगाया गया था। यह घटना रात करीब 11 बजे कलीमोहर यूनियन के होसेंदंगा गांव में हुई। पांगशा सर्कल के सहायक पुलिस अधीक्षक देब्रत सरकार ने बताया कि मृतक की पहचान अमृत मंडल, उर्फ सम्राट, के रूप में हुई है। पुलिस ने सम्राट को गंभीर हालत में भीड़ से बचाया। उसे तुरंत पांगशा उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान रात करीब 2 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अंतरिम सरकार का ऐलान

फरवरी के चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकेगी अवामी लीग

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग फरवरी 2026 में होने वाले राष्ट्रीय संसदीय चुनावों में हिस्सा नहीं ले सकेगी। सरकार ने कहा है कि पार्टी की गतिविधियों पर प्रतिबंध होने के कारण उसे चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने सलाहकार परिषद की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियां प्रतिबंधित हैं और चुनाव आयोग ने पार्टी का पंजीकरण भी रद्द कर दिया है, इसलिए वह आगामी चुनाव में भाग नहीं ले सकती।

पूर्व पीएम हसीना बोलीं

चुनाव नहीं ताजपोशी होगी

चुनाव से बाहर किए जाने पर पूर्व पीएम शेख हसीना ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि अवामी लीग के बिना चुनाव, चुनाव नहीं बल्कि ताजपोशी होगी। हसीना ने कहा कि जब लोगों को अपनी पसंदीदा पार्टी को वोट देने का मौका नहीं मिलता, तो वे वोट ही नहीं करते। अगर अवामी लीग पर प्रतिबंध जारी रहा, तो लाखों लोग मतदान से वंचित हो जाएंगे। ऐसे चुनाव से बनने वाली सरकार के पास शासन करने का नैतिक अधिकार नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस समय बांग्लादेश को राष्ट्रीय मेल-मिलाप की सख्त जरूरत है और यह फैसला एक बड़ा अवसर चूकने जैसा है। बता दें, जुलाई में हुए छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार सत्ता से हट गई थी। फरवरी 2026 में बांग्लादेश में चुनाव होंगे।

सुरक्षा में 4,000 सैन्य कर्मी तैनात

रहमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ढाका में करीब 4,000 सैन्य कर्मी, अर्धसैनिक बल बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), दंगा नियंत्रण उपकरणों में सुसज्जित पुलिसकर्मी और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। एक वीडियो में रहमान ने कहा कि मैं अपनी और अपने परिवार की ओर से आपका धन्यवाद करता हूं। खासकर, मेरी सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। रहमान ढाका के एवरेकेयर अस्पताल में अपनी मां और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया (88) से मिलने जाएंगे। तीन बार पीएम रह चुकी हैं जिया अस्पताल के 'इंटेंसिव केयर यूनिट' (आईसीयू) में इलाज करा रही हैं।

खबर संक्षेप

अस्पताल में 8 घंटे इंतजार के बाद भारतीय की मौत

टोरंटो। कनाडा के एक अस्पताल में भारतीय मूल के 44 साल के प्रशांत श्रीकुमार को करीब 8 घंटे तक इंतजार करवाने की वजह से मौत हो गई। 22 दिसंबर को उनके सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद उन्हें एडमॉन्टन्स ग्रे नन हॉस्पिटल ले गया। अस्पताल के कर्मचारियों ने प्रशांत का ईसीजी करने के बाद कहा कि ज्यादा गंभीर बात नहीं है।

मस्जिद में विस्फोट, 5 की मौत, 35 घायल

लागोस। नाइजीरिया के उत्तर पूर्वी राज्य मैदुगुरी में बुधवार रात एक मस्जिद में नमाज के दौरान बम विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 35 लोग घायल हो गए। बोर्नो राज्य के पुलिस कमान के प्रवक्ता नाहूम दासो ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जांच से लगता है कि यह आत्मघाती बम विस्फोट हो सकता है, क्योंकि संदिग्ध आत्मघाती जैकेट के टुकड़े बरामद हुए हैं और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने बताया 'एक बड़ी सफलता'

ओडिशा में मुठभेड़ में 1.1 करोड़ के इनामी गणेश उइके समेत 6 नक्सली मारे गए

2 महिलाओं समेत 3 की पहचान नहीं हुई कई क्षेत्रों में अभियान अभी भी जारी

एजेंसी ⏭ भुवनेश्वर

ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी गणेश उइके सहित छह नक्सली मारे गए। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे 'एक बड़ी सफलता' बताया, जबकि सीएम मोहन चरण माझी ने इसे 'नक्सल मुक्त भारत' के निर्माण की दिशा में एक 'उल्लेखनीय सफलता' बताया। राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों का नेतृत्व कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी संजीब पांडा ने बताया कि भाकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य उइके ओडिशा में प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था और उस पर 1.1 करोड़ रुपए का इनाम था। बुधवार रात बेलघर थाना क्षेत्र के गुम्मा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के दो माओवादी मारे गए।

नक्सली गणेश उइके

नक्सलवाद को जड़ से खत्म करेंगे: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ओडिशा के कंधमाल में चलाये गये एक बड़े अभियान में केंद्रीय समिति के सदस्य गणेश उइके समेत छह नक्सलियों को मार गिराया गया है। इस बड़ी सफलता के साथ ओडिशा नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त होने की कगार पर है। हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हिडमा के बाद बड़ी कार्रवाई

गणेश उइके का मारा जाना हिडमा के बाद बड़ी कार्रवाई है। 18 नवंबर को कुख्यात माओवादी कमांडर माडवी हिडमा (43) को सुरक्षाबलों ने आंध्र प्रदेश में ढेर कर दिया था। उस पर 2013 के दरभा घाटी नरसंहार और 2017 का सुकमा हमला सहित कम से कम 26 सशस्त्र हमलों का जिम्मेदार था। उस पर एक करोड़ का इनाम था।

सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्रथमिकता: ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि आज ओडिशा ने 'नक्सल मुक्त भारत' के निर्माण के अभियान में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। हम नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

दो राइफल जब्त

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुरानिया ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर गुरुवार की सुबह कंधमाल जिले के चाकापड़ पुलिस थाना क्षेत्र और गंजाम जिले के राम्भा वन रेंज से सटे इलाकों में ओडिशा पुलिस के विशेष अभियान दल की 20, सीआरपीएफ की दो और बीएसएफ के एक दल समेत 23 दलों को शामिल करते हुए एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। बुधवार को दो नक्सली मारे गए और गुरुवार सुबह चार अन्य मारे गए। बुधवार रात मारे गए ।

कंबोडिया में भगवान विष्णु की प्रतिमा गिराने पर भारत ने जताई थी चिंता

थाईलैंड की सफाई, यह कार्रवाई 'धार्मिक' नहीं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर थाईलैंड की सेना ने भगवान विष्णु की एक मूर्ति तोड़ दी, जिस पर भारत ने चिंता जताई। थाईलैंड ने इस मामले पर स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि हिंदू देवता की मूर्ति जहां स्थापित थी वह जगह रिलीजियस प्रक्टिस के लिए रजिस्टर्ड नहीं थी। इसके अलावा थाईलैंड ने इसे सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा भी बताया। इस मामले भारत ने कहा कि इस तरह के 'अपमानजनक' कृत्य से दुनिया भर में श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं। साथ ही भारत ने थाईलैंड और कंबोडिया से अपने सीमा विवाद को बातचीत व कूटनीति के जरिए सुलझाने का आग्रह किया।

सीमा पर तनाव बढ़ने की आशंका

थाईलैंड के अधिकारियों ने कहा कि यह प्रतिमा बाद में स्थापित की गई थी और इसे धार्मिक स्थल के रूप में आधिकारिक मान्यता प्राप्त नहीं थी। अगर इसे नहीं हटाया जाता तो संवेदनशील बॉर्डर पर तनाव बढ़ा सकते थे। अधिकारी के अनुसार, यह भगवान विष्णु की ये प्रतिमा विवादित सीमा के पास चोंग आन मा क्षेत्र में स्थित थी। थाईलैंड इसे कंबोडियाई सैनिकों द्वारा उसकी दावा की गई जमीन पर संप्रभुता जताने के लिए स्थापित एक प्रतीक के रूप में देखता था। कंबोडिया के प्रीह विहार प्रांत के सरकारी प्रवक्ता किम चानपनहा ने दावा किया कि मूर्ति उसके इलाके में थी, जिसे थाईलैंड ने अवैध तरीके से गिरा दिया। इसे 2014 में बनाया था।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर पहली फ्लाइट को वाटर कैनन सैल्यूट

मुंबई। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) से वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन गुरुवार से शुरू हो गया। बेंगलुरु से इंडिगो की पहली उड़ान सुबह करीब आठ बजे यहां उतरी। आगमन पर फ्लाइट को पारंपरिक वाटर कैनन सैल्यूट दिया गया। इंडिगो की दूसरी फ्लाइट ने नवी मुंबई से हैदराबाद के लिए उड़ान भरी। इसके साथ ही एयरपोर्ट का पहला आगमन और प्रस्थान चक्र पूरा हुआ। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसे एनएमआई की पहली कॉमर्शियल लैंडिंग और टेक-ऑफ बताया।

ट्रंप की बल्ले-बल्ले, पुराने लॉटरी सिस्टम को खत्म करने के लिए बढ़ेंगे हौसले, टेक कंपनियों की आफत बरकरार

एच1बी वीजा की 1 लाख डॉलर की फीस बढ़ोतरी को अमेरिकी कोर्ट की हरी झंडी

वीजा आवेदकों को 27 फरवरी 2026 से भरनी पड़ेगी 1 लाख डॉलर की बढ़ी हुई फीस

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका जाकर दुनिया में अपना नाम कमाने का सपना संजोए देश के तमाम युवा छात्रों, आईटी व अन्य क्षेत्रों से जुड़े हुए पेशेवरों को अब एच1बी वीजा लेने के लिए 1 लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपए से अधिक) की आवेदन फीस का अगले साल 27 फरवरी 2026 से अनिवार्य रूप से भुगतान करना पड़ेगा। क्योंकि इस संबंध में अमेरिका की एक संघीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फीस बढ़ोतरी के निर्णय को शत-प्रतिशत सही ठहराते हुए उस पर अपनी मुहर लगा दी है। साथ ही ये भी कहा है कि ट्रंप प्रशासन अपने इस फैसले के साथ बेधड़क आगे बढ़ सकता है। जिसके बाद स्वाभाविक रूप से अमेरिका के राष्ट्रपति का मन सातवें आसमान में उड़ रहा होगा और अब वह इस वीजा से जुड़े हुए पुराने रैंडम लॉटरी सिस्टम को भी पूरे आत्मविश्वास के साथ लागू करने के लिए तेजी से कदम आगे बढ़ाएंगे। लेकिन इस पूरे माहौल के बीच सबसे ज्यादा मुश्किल टेक कंपनियों के लिए खड़ी हो गई है। जो सालाना एच1बी वीजा के जरिए बड़ी तादाद में भारतीय युवाओं की भर्ती करती हैं।

ट्रंप ने नहीं लांघी अधिकार क्षेत्र की सीमा

अमेरिका के जिला न्यायाधीश बेरिल हॉवेल ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इस लोकप्रिय वीजा कार्यक्रम की लागत में भारी वृद्धि का आदेश देकर अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर रहकर ही काम किया है। उनका ये फैसला अमेरिका के कर्मियों को रोजगार प्रदान करने के प्रयासों को प्रदर्शित करता है। इसके अलावा न्यायाधीश ने अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स के उस तर्क को भी खारिज कर दिया कि अमेरिका के राष्ट्रपति के पास इस तरह की फीस बढ़ोतरी करने का कोई अधिकार नहीं है। राष्ट्रपति को आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं से जुड़े हुए मुद्दों पर कांग्रेस द्वारा प्रदान किया गया निर्णय लेने का अधिकार है।

71 फीसदी भारतीयों को मिलता एच1बी वीजा

अनुमानित आंकड़ा कहता है कि अमेरिका द्वारा दिए जाने वाले एच1बी वीजा के दुनियाभर में सबसे ज्यादा 71 फीसदी लाभार्थी भारतीय हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी साल 20 सितंबर को अपने एक कार्यकारी आदेश के जरिए एच1बी वीजा के लिए फीस बढ़ोतरी के इस निर्णय की घोषणा की थी। पहले एच1बी वीजा के लिए रजिस्ट्रेशन व अन्य शुल्क मिलाकर 2 से 5 हजार डॉलर (लगभग 1 से 4.2 लाख रुपए तक) तक की फीस देनी पड़ती थी। वर्तमान में अमेरिका हर साल 65 हजार वीजा प्रदान करता है। जिसमें उच्च-डिग्री वाले कर्मियों के लिए तय किए गए 22 हजार अतिरिक्त वीजा भी शामिल हैं। फीस बढ़ोतरी के फैसले को जायज ठहराते हुए ट्रंप प्रशासन ने बीते वक्त में कहा था कि इसे केवल साल में एक बार नए वीजा आवेदकों से ही वसूला जाएगा। पुराने वीजा धारकों या वीजा नवीनीकरण वाले लोगों पर बढ़ी हुई फीस के भुगतान का निर्णय लागू नहीं होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109